आज का सुविचार

सर्वसाधारण जनता की उपेक्षा ही एक बड़ा राष्ट्रीय पाप है।
- विवेकानंद

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

| आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM |

वर्ष-5 अंक-13 भोपाल, बुधवार 24 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्णा पञ्चमी, बुधवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:40/5:34
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	39 %
वायु (किमी/घ.)	13
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 50,450

शेयर सूचकांक

बीएसई	58664.33	+198.44
निफ्टी	17503.35	+86.80

दिल्ली में ममता से मिलने पहुंचे जावेद अख्तर, कीर्ति आजाद के भी TMC में शामिल होने की चर्चा

बंगाल । पश्चिम बंगाल बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दिल्ली में हैं। आज गीतकार जावेद अख्तर झस्ट के महासचिव अभिषेक बनर्जी के निवास पर उनसे मिलने पहुंचे। जावेद अख्तर के साथ राजनेता और गीतकार सुधींद्र कुलकर्णी भी ममता से मिलने पहुंचे हैं। आज सुबह ही पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने झस्ट की मेंबरशिप ली है।

नोएडा में कबाड़ वाहनों को स्क्रैप करने की यूनिट शुरू

नईद्धदिल्ली। पुराने वाहनों को रिसाइकल करने की पहली यूनिट का नोएडा के सेक्टर-80 में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुभारंभ कर दिया है। गडकरी ने कहा कि स्क्रैप पॉलिसी हेल्थ प्रॉब्लम और एयर पॉल्यूशन को सुधारने में मददगार होगी। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में ऑटोमोबाइल पार्ट्स के दाम गिरेंगे। स्क्रैप पॉलिसी से ऑटोमोबाइल सेक्टर में 10 से 12 फीसदी का बूम आएगा। 2 लाख लोगों को इस पॉलिसी से रोजगार मिलेगा।

केजरीवाल ने सिद्धू की तारीफ की, कहा- सच बोलने के लिए उनकी हिम्मत की दाद देता हूं

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रेत माफिया के बहाने फिर नवजोत सिंह सिद्धू की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सिद्धू की हिम्मत की दाद देनी होगी कि उन्होंने सीएम चन्नी के सामने ही टोक दिया कि वह रेत 5 रुपए फुट करने का गलत बयान दे रहे हैं। अभी भी पंजाब में 20 रुपए प्रति फुट बिक रहा है।

बच्चों के वैक्सीनेशन पर फैसला नहीं

18+ का टीकाकरण पूरा करने के लिए 72 करोड़ डोज चाहिए, बूस्टर डोज पर भी विचार नहीं कर रही सरकार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बच्चों के वैक्सीनेशन को लेकर सरकार फिलहाल कोई फैसला नहीं कर सकी है। इसके अलावा वैक्सीनेट हो चुके लोगों को बूस्टर डोज लगाने को लेकर भी कोई रणनीति नहीं बनी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि अभी इस बारे में कोई विचार नहीं किया है। दुनिया के कई प्रमुख देश बूस्टर डोज लगाना शुरू कर चुके हैं, लेकिन भारत में परिस्थितियां अभी अलग हैं। यहां न तो अभी अमेरिका-ब्रिटेन की तरह कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है, न ही बच्चों में संक्रमण को लेकर ज्यादा खतरा है। देश के 18 करोड़ वयस्क यानी 18+ ऐसे हैं, जिन्हें टीके का पहला डोज भी नहीं लगा है। इन्हें टीका लगने के बाद ही बूस्टर डोज का फैसला लिया जा सकता है। आधार डेटा के मुताबिक देश में 95 करोड़ लोग 18 साल से ज्यादा उम्र के हैं। इनमें से 77 करोड़ लोगों को पहला डोज लग चुका है, जबकि दूसरी डोज लगवाने वाले करीब 41 करोड़ हैं। यानी, 18 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें अभी पहला डोज भी नहीं लगा है। ऐसे में इन्हें टीके लगाना सरकार की प्राथमिकता है। बूस्टर डोज पर फैसला लेने के लिए अभी कोई ठोस आधार नहीं है।

बच्चों को टीके अभी क्यों नहीं?

ब्रिटेन समेत दुनियाभर के प्रमुख देशों में औसतन हर 10 लाख संक्रमित बच्चों में सिर्फ 2 बच्चों की मौत हुई है। यानी, बच्चों में कोरोना से मौतों की दर न के बराबर है।

बूस्टर डोज अभी क्यों नहीं?

भारत में 18 करोड़ वयस्कों को अभी पहली डोज भी नहीं लगी है। दूसरी ओर, कोरोना संक्रमण भी लगातार घट रहा है, इसलिए विशेषज्ञों को अभी तकनीकी तौर पर बूस्टर डोज जरूरी नहीं लग रहे।

70 फीसदी बच्चों में एंटीबॉडी

ब्रिटिश वीकली साइंटिफिक जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन में औसतन हर 10 लाख संक्रमित बच्चों में सिर्फ 2 को बचाया नहीं जा सका। यही ट्रेंड यूरोप के दूसरे देशों में है। दूसरी ओर, भारत में पिछले दिनों हुए सीरो सर्वे में यह बात निकलकर सामने आई है कि 70 फीसदी बच्चों में एंटीबॉडी है। यानी वे एक बार संक्रमित हो चुके हैं। ऐसे में उन्हें अभी कुछ महीनों में खतरा नहीं है। इसलिए बच्चों का वैक्सीनेशन टाला जा सकता है। हालांकि, जायकोव-डी वैक्सीन को बच्चों के लिए अप्रूव किया जा चुका है।

18 करोड़ वयस्क आबादी को वैक्सीन का पहला डोज भी नहीं लगा

95 करोड़ लोग 18+

77 करोड़ को लगा पहला डोज

41 करोड़ को दोनों डोज लगे

पॉजिटिविटी रेट 2 फीसदी से नीचे

बूस्टर डोज को फिलहाल इसलिए भी टाला जा रहा है, क्योंकि देश में संक्रमण की साप्ताहिक दर (टेस्ट पॉजिटिविटी रेट) 0.93 फीसदी है। यह 2 महीने से 2 फीसदी से नीचे बनी हुई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, संक्रमण की दर 5 फीसदी से नीचे हो तो महामारी नियंत्रण में मानी जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर सभी वयस्कों को टीका लग जाता है तो मौतों में गिरावट आएगी, क्योंकि कोरोना से होने वाली 80 फीसदी से ज्यादा मौतें 45 साल से ज्यादा उम्र वालों की हो रही हैं।

अभी फोकस 18+ पर:- अभी फोकस में दो तरह के लोग हैं। पहले- वो 18 करोड़ जिन्हें अभी एक भी डोज नहीं लगी है। उन्हें 36 करोड़ डोज लगेंगी। दूसरे- वो 36 करोड़ जिन्हें सिर्फ एक डोज लगी है। यानी वयस्कों को अभी कुल 72 करोड़ डोज लगेंगी। अभी हर माह 25 करोड़ से ज्यादा डोज नहीं लग रहीं। ऐसे में इन लोगों को कवर करने में 3 माह लग सकते हैं।

4 राज्यों में बारिश का कहर

आंध्र-कर्नाटक में 57 की मौत, 1366 गांव बाढ़ में घिरे

» 1.5 लाख किसानों की फसल तबाह

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दक्षिण भारत के 4 राज्यों में बेमौसम बारिश ने कहर बरपा दिया हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में एक्टिव उत्तरी-पूर्वी मानसून ने कई जिलों में बाढ़ के हालात पैदा कर दिए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 5 दिन इन राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। 24 और 25 नवंबर को कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की आशंका है। आंध्र प्रदेश में 30 साल बाद इतने बद्तर स्थिति बनी है। आंध्र में अब तक 33 लोगों की जान जा चुकी है। पेन्ना नदी में बाढ़ से नेशनल हाईवे-16 का एक हिस्सा टूट गया है, इससे यातायात बंद हो गया है।

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा का तंज-

तभी कमलनाथ कहते है मप्र नहीं छोड़ूगा, 2023 में कांग्रेस की हार तय

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

नई दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की मुलाकात के बाद मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा का बड़ा बयान सामने आया है।वही नरोत्तम मिश्रा ने 2023 में जीत का बड़ा दावा किया है और दिल्ली के सीएम केजरीवाल की खांसी को लेकर भी तंज कसा है। आज मीडिया से चर्चा करते हुए नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि जब भी कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एक व्यक्ति-एक पद की बात करती है , तभी कमलनाथ कहते हैं कि मैं मध्यप्रदेश नहीं छोड़ूंगा।विपक्ष की 28 सीटों के उप-चुनाव में भी हार हुई है और 2023 में उनकी हार तय है। वही बीजेपी की बैठक को लेकर कहा कि संगठन की बैठक में निरंतर होती रहती है, अध्यक्ष जी की कार्यकर्ताओं से और कार्यकर्ताओं की अध्यक्ष जी से निरंतर मुलाकात होती रहती है। हमारी पार्टी कांग्रेस की तरह नहीं है कि जब प्रवासी पक्षी आते हैं तभी बैठक होती है।

केजरीवाल की खांसी पर भी चुटकी

वही दिल्ली के सीएम केजरीवाल की खांसी को लेकर नरोत्तम मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा कि पहले दिल्ली में केजरीवाल अकेले खाँसते थे अब पूरी दिल्ली खाँस रही है। 10 साल के कार्यकाल में केजरीवाल से ना यमुना साफ हो पाई और न दिल्ली प्रदूषण से मुक्त हो पाया। अब केजरीवाल प्रदूषण फैलाने के लिए पंजाब चल दिए हैं।

पोर्न फिल्म केस, राज कुंद्रा ने बॉम्बे हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दी

मुंबई । एक्ट्रेस शिल्पा शेट् ?टी के पति बिजनेसमैन राज कुंद्रा ने पोर्नोग्राफी मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट में अपनी अग्रिम जमानत अर्जी दी है। पूनम पांडे और शर्लिन चोपड़ा का नाम भी इस मामले में जुड़ा हुआ है। कोर्ट ने पिछले हफ्ते मामले की सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी थी। अब कुंद्रा की लीगल टीम के प्रमुख एडवोकेट प्रशांत पाटिल और एडवोकेट स्वप्निल आम्बुरे का कहना है कि वर्तमान स्थिति में आवेदक या किसी सह-आरोपी के खिलाफ ना तो धारा 67 और ना ही धारा 67 (ए) के तहत कोई मामला बनाया जा सकता है।

नाबालिग ने शादी रुकवाई तो मां-बाप ने घर से निकाला:बोले-

इसे रखा तो समाज हमें निकाल देगा; बाल आयोग ने शेल्टर होम भेजा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जयपुर।

उदयपुर के कुराबड़ में समाज का घिनौना चेहरा सामने आया। दो दिन पहले बाल विवाह करने से मना करने वाली 14 साल की लड़की को उसके माता-पिता ने अपने घर में रखने से मना कर दिया। दरअसल, कुराबड़ के भूतिया गांव की एक बालिका का रविवार को बाल विवाह करवाया जा रहा था। इस पर बालिका ने हिम्मत दिखाते हुए बाल आयोग की अध्यक्ष संगीता बेनीवाल को

फोन कर दिया। बालिका ने संगीता को अपने शादी के कार्ड की फोटो भी भेजी। बालिका ने कहा कि फिलहाल वह पढ़ना चाहती है, शादी नहीं करना चाहती। लड़की के माता-पिता ने उसे घर में रखने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि अगर हमने इसे घर में रखा तो समाज हमारा बहिष्कार कर देगा। इस पर संगीता बेनीवाल ने मामले में संज्ञान लेते हुए उदयपुर कलेक्टर सहित तमाम अधिकारियों को पाबंद किया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लड़की का विवाह रुकवाया। उसके बाद ष्ट्ठ्ठष्ट की मदद से लड़की की काउंसिलिंग कराकर उसे उदयपुर में नारी निकेतन के बालिका गृह में रखा गया।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

मनीष तिवारी ने किताब में लिखा : 26/11 के बाद पाकिस्तान पर एक्शन लेना था, ऐसा न करना मनमोहन सरकार की कमजोरी थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कांग्रेस में फिर किताबी बम फूटा है। सलमान खुर्शीद के बाद अब कांग्रेस नेता मनीष तिवारी की किताब चर्चा में है। उन्होंने अपनी किताब 10 फ्लैश पॉइंट; 20 ईयर्स - नेशनल सिक्योरिटी सिचुएशन देट इम्पैक्ट इंडिया में मनमोहन सिंह की क्क सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। तिवारी ने मुंबई में हुए 26/11 हमले के बाद पाकिस्तान पर किसी तरह का एक्शन न लेने को कमजोरी बताया है। किताब में तिवारी ने लिखा है कि मुंबई हमले के बाद तात्कालीन सरकार को पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। ये ऐसा समय था, जब एक्शन बिल्कुल जरूरी था। तिवारी ने किताब में लिखा है कि एक देश (पाकिस्तान) निर्दोष लोगों का कत्लेआम करता है और उसे इसका कोई पछतावा नहीं होता। इसके बाद भी हम संयम बरतते हैं तो यह ताकत नहीं बल्कि कमजोरी की निशानी है। तिवारी ने 26/11 हमले की तुलना अमेरिका के 9/11 हमले से की है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने अपनी किताब में हिंदुत्व की तुलना आतंकी संगठन से की थी, अब मनीष तिवारी ने अपनी किताब में UPA सरकार पर सवाल उठाए हैं।

BJP ने कांग्रेस से जवाब मांगा

भाजपा ने किताब पर विवाद सामने आने के बाद कांग्रेस पर सवाल खड़े किए हैं। BJP प्रवक्ता गौरव भाटिया ने तात्कालीन UPA सरकार की नीयत को खराब बताया। उन्होंने कहा कि उस समय के एयरचीफ मार्शल ने कहा था कि हमारी एयरफोर्स जवाब देने के लिए तैयार थी, लेकिन कार्रवाई की अनुमति नहीं दी गई। इसके लिए कांग्रेस को जवाब देना चाहिए।

26/11 हमले में क्या हुआ था?

26 नवंबर 2008 को हुए मुंबई हमलों में 160 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस दिन लश्कर-ए-तैयबा के 10 पाकिस्तानी आतंकी अरब सागर के रास्ते भारत में दाखिल हुए थे। उन्होंने 60 घंटे तक मुंबई को बंधक बना रखा था। उनके पास 10 एके-47, 10 पिस्टल, 80 ग्रेनेड, 2 हजार गोलियां, 24 मैगजीन, 10 मोबाइल फोन, विस्फोटक और टाइमर्स थे। रात 8 बजकर 20 मिनट पर अजमल कसाब और उसके 9 साथियों ने मुंबई में कदम रखा था। मुंबई उतरने के बाद आतंकी दो-दो के ग्रुप में बंट गए थे और शहर में जमकर उत्पात मचाया था।

भोपाल का सुभाष नगर आरओबी तैयार

ट्रैफिक का ट्रायल जल्द, सिग्नल पर 20 से 30 सेकेंड रहेगी 'ग्रीन' लाइट

3 लाख लोगों को फायदा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल में 40 करोड़ रुपए से बने सुभाष नगर आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) को ट्रैफिक के ट्रायल के बाद आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। हालांकि, 22 नवंबर तक ट्रैफिक पुलिस और PWD अफसरों ने ट्रायल की डेट तय नहीं की है। वजह, PM के दौरे समेत लगातार छुट्टियां होना बताई जा रही है, क्योंकि जब ट्रैफिक का दबाव सुभाष नगर रोड पर रहेगा, तभी रेड और ग्रीन लाइट के बारे में आकलन हो सकेगा। सिग्नल पर 20 से 30 सेकेंड %ग्रीन% लाइट रहेगी। ब्रिज शुरू होने से 3 लाख लोगों को फायदा मिलेगा।

जाम से मिलेगी राहत, यहां आने-जाने वालों को सहूलियत मिलेगी

ROB से ट्रैफिक शुरू होने के बाद रोज एवरेज 3 लाख लोगों को फायदा होगा। वहीं, सुभाष नगर व रचना नगर अंडर ब्रिज के साथ अशोका गार्डन पर घंटों लगने वाले जाम की समस्या भी हल होगी। आरओबी से एमपी नगर और प्रभात चौराहा क्षेत्र से भोपाल स्टेशन, अशोका गार्डन व पिपलानी, गोविंदपुरा, एमपी नगर, रचना नगर की ओर आने-जाने वालों को सहूलियत होगी।

इसलिए लगे सिग्नल

एमपी नगर से जिंसी चौराहे की ओर जाने वाले वाहन बिना किसी अड़चन से गुजर सकेंगे, लेकिन यदि ये वाहन आरओबी से होकर सुभाष नगर चौराहे की ओर जाते हैं तो सिग्नल की जरूरत पड़ेगी, क्योंकि जिंसी चौराहे का ट्रैफिक एक तरफ से आएगा। ऐसे में एक्सीडेंट होने का खतरा रहेगा। इसलिए ब्रिज से पहले सिग्नल लगाकर ट्रैफिक को रोका जाएगा। ट्रैफिक के ट्रायल के बाद ग्रीन लाइट की टाइमिंग सेट की जाएगी। पीडब्ल्यूडी चीफ इंजीनियर (ब्रिज) संजय खांडे ने बताया, ट्रैफिक के ट्रायल के बाद ब्रिज शुरू कर दिया जाएगा।

20 महीने पहले बन चुका

आरओबी करीब 20 महीने पहले ही बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन मेट्रो प्रोजेक्ट और सर्विस रोड की वजह से अब तक ट्रैफिक शुरू नहीं हो पाया है। अब ट्रैफिक गुजारने की फाइनल स्टेज है। यह 40 करोड़ रुपए में बना है। इसकी लंबाई 690 मीटर है, जो नए को पुराने शहर को जोड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने स्मार्ट उद्यान में करंज एवं गुलमोहर का पौधा रोपा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान में सार्थक संस्था के श्री इम्तियाज अली और श्री विष्णु प्रसाद के साथ करंज और गुलमोहर का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम में प्रतिदिन पौध-रोपण कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों में समाज की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रतिदिन सामाजिक- स्वयंसेवी संस्थाओं और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यक्तियों के साथ पौध-रोपण करते हैं। सार्थक संस्था कचरा बीनने के साथ प्लास्टिक प्रबंधन का कार्य करती है। संस्था 2004 से स्वच्छता के क्षेत्र में नगर निगम भोपाल के साथ विशेष सहयोगी के रूप में कार्य कर रही है। संस्था को 14 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। संस्था की ओर से मुख्यमंत्री श्री चौहान को मिट्टी की बनी पानी की बोतल और गुटकों के पाउच और प्लास्टिक की पन्नी को रिसाइकल कर बनाई गई प्लेट पर निर्मित घड़ी भी भेंट की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज करंज और गुलमोहर का पौधा रोपा। करंज आयुर्वेदिक चिकित्सा में महत्वपूर्ण माना गया है। करंज का उपयोग धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है। आज लगाए गए गुलमोहर को विश्व के सुंदरतम वृक्षों में से एक माना जाता है। गुलमोहर की पत्तियों के बीच बड़े-बड़े गुच्छों में खिले फूल, इस वृक्ष को अलग ही आकर्षण प्रदान करते हैं। गर्मी के दिनों में गुलमोहर के पेड़ पत्तियों की जगह फूलों से लदे रहते हैं। यह औषधीय गुणों से भी समृद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे-मातरम गायन के साथ शुरू हुई।

रोजगार संबंधी अनेक प्रशिक्षण के लिए पंजीयन प्रारंभ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

उद्यमिता विकास केन्द्र द्वारा शिक्षित और अशिक्षित बेरोजगारों हेतु शुल्क आधारित उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं पशुपालन आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए पंजीयन प्रारंभ किया गया है। विभिन्न व्यावसायों के लिए पंजीयन की पृथक-पृथक तिथि निर्धारित की गई है। ट्रेनिंग एसोसिएट श्रीमती संध्या जोशी ने बताया कि उद्यमिता विकास केन्द्र एम.एस.एम.ई. विभाग के अंतर्गत कार्यरत है, जो मध्यप्रदेश शासन केन्द्रीय वित्तीय संस्थाओं एवं राज्य के अग्रणी बैंकों द्वारा प्रवर्तित पंजीकृत संस्था है। केन्द्र द्वारा आगामी माहों में उद्यमिता एवं पशुपालन से संबंधित विषयों पर शुल्क आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। प्रशिक्षण का उद्देश्य बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वयं के उद्यम अथवा उद्योग स्थापित करने तथा उसके सफल संचालन के लिये तैयार करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शासकीय योजनाओं, इच्छित ट्रेड के लिये कच्चामाल, बाजार सर्वेक्षण, यूनिट प्रबंधन, विपणन, लेखा प्रबन्धन तथा करा-रोपण इत्यादि की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण पश्चात प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये जायेंगे। प्रशिक्षण सम्बन्धी जानकारी केन्द्र की समन्वयक श्रीमती संध्या जोशी से मोबाईल क्रमांक 8770555820 तथा कार्यालयीन समय में 0755-4000908 पर ली जा सकती है। डेरी टेक्नोलोजी आधारित पशुपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 से 10 दिसम्बर के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2021 है। उद्यमिता एवं बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 से 17 दिसम्बर के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 08 दिसम्बर, उद्यमिता एवं मुर्गी पालन पॉल्ट्रीफार्म प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 से 24 दिसम्बर के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 10 दिसम्बर और खाद-प्रसंस्करण आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 से 31 दिसम्बर के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर 2021 है।

न्यूज ब्रीफ

जाँच मशीने फंक्शनल रहे, खराब होने पर तुरंत सुधारें

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा है कि जिला अस्पतालों और सिविल अस्पतालों में 120 से अधिक बीमारियों की जाँचो की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जाँच के लिये मशीनों का फंक्शनल रहना जरूरी है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी जाँच मशीनें फंक्शनल रहे और खराब होने पर तुरंत सुधारी जाएँ। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी मंत्रालय में स्वास्थ्य सेवाओं में किये गये सुधार और अस्पतालों में उपलब्ध कराई गई चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि अधिकांश बीमारियों की जाँचें जिला अस्पतालों में उपलब्ध है। इसकी जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएँ। उन्होंने कहा कि जाँच रिपोर्ट एक्यूरेट और सही रहें इसे भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जाँच में किसी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न न हो इसके लिये जाँच मशीन, उपकरण और आवश्यक केमिकल्स की उपलब्धता निरन्तर बनाए रखें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान से हरियाणा के पूर्व मंत्री श्री कैप्टन अभिमन्यु सिंह ने की भेंट

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु सिंह तथा हरिभूमि समाचार-पत्र, जनता टीवी और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने निवास पर सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान से भेंट के दौरान प्रदेश में संचालित विकास गतिविधियों, जन-कल्याणकारी योजनाओं तथा आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए संचालित कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने डॉ. जगदीश चंद्र बोस की पुण्य-तिथि पर नमन किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. सर जगदीश चन्द्र बोस की पुण्य-तिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। डॉ. जगदीश चंद्र बोस का जन्म 30 नवम्बर 1858 को बंगाल के ढाका जिले के फरीदपुर के मेमन सिंह (अब बंगलादेश) में हुआ था। बचपन से ही उन्हें पेड़-पौधों से बेहद लगाव था। साथ ही उनको महाभारत, गीता और रामायण पढ़ने का शौक भी था। डॉ. बोस भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे, जिन्हें भौतिकी, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा पुरातत्व का गहरा ज्ञान था। वे पहले वैज्ञानिक थे, जिन्होंने रेडियो और सूक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य किया। वनस्पति विज्ञान में उन्होनें कई महत्त्वपूर्ण खोजें की। वे भारत के पहले वैज्ञानिक थे, जिन्होंने अमेरिकन पेटेंट प्राप्त किया। उन्हें रेडियो विज्ञान का पिता माना जाता है। डॉ. बोस विज्ञान कथाएँ भी लिखते थे और उन्हें बंगाली विज्ञान कथा-साहित्य का भी पिता माना जाता है। डॉ. (सर) बोस का अवसान 23 नवम्बर 1937 को कोलकाता में हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट किया - रेडियो विज्ञान के जनक, महान वैज्ञानिक श्री जगदीश चन्द्र बोस की पुण्य-तिथि पर शत-शत् नमन। श्री बसु रेडियो और सूक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य करने वाले पहले वैज्ञानिक तो थे ही, आपने यह भी साबित किया था कि पेड़-पौधों में भी जान होती है। विज्ञान आपके सिद्धांतों के बिना अधूरा है।

न्यूज ब्रीफ

दुनिया भर को मिलेगा आयुष

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी नियंत्रित करने में परंपरागत चिकित्सा पद्धति काफी कारगर रही है। इसे देखते हुए सरकार आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होमियोपैथी (आयुष) को दुनिया के दूसरे देशों में पहुंचाने के लिए कमर कस ली है। इसे अंजाम देने के लिए सरकार ने कंपनियों एवं वैश्विक इकाइयों से समझौता किया है। आयुर्वेद को जांची-परखी दवा के तौर पर बढ़ावा देने और दूसरे देशों में इसका निर्यात करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन ऐंड ट्रॉपिकल मेडिसिन (एलएसएचटीएम) के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत तहत अश्वगंधा (प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने वाली दवा) पर ब्रिटेन में यह जानने के लिए परीक्षण किया जाएगा कि कोविड-19 संक्रमण से उबरने में यह कैसे मदद करता है। आयुष के सचिव राजेश कोटेचा ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में कहा, %ब्रिटेन में यह जानने के लिए बड़े पैमाने पर परीक्षण होंगे कि अश्वगंधा किस तरह कोविड संक्रमण से लडने् एवं ठीक होने में मदद करता है। हमें लगता है कि इससे यह जानने में काफी हद तक मदद मिल जाएगी कि अश्वगंधा को कोविड संक्रमण से लडने् में जांची-परखी दवा के तौर पर स्थापित किया जा सकता है या नहीं। ब्रिटेन में अश्वगंधा के क्लिनिकल परीक्षण में 2,000 से अधिक लोग हिस्सा लेंगे। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक देश के ज्यादातर राज्यों में आयुष दवाओं के जरिये कोविड संक्रमण से निजात पाने की दर 90 प्रतिशत से अधिक रही है। कोविड-19 संक्रमण के इलाज में भारत में बड़े पैमाने पर आयुर्वेदिक एवं होमियोपैथिक दवाओं का इस्तेमाल हुआ था। कम से कम 9 राज्यों ने आयुर्वेदिक एवं होमियोपैथिक कोविड चिकित्सा केंद्र बनाए थे। ये राज्य हरियाणा, मणिपुर, मिजोरम, तमिलनाडु, तेलंगाना, गुजरात, कर्नाटक, केरल और पुदुच्चेरी हैं। पहले चरण में आयुष का प्रभावी इस्तेमाल करने वाले केरल में ऐसे सबसे अधिक 1,206 केंद्र हैं आयुष मंत्रालय ने जुलाई तक जो आंकड़े दिए हैं, उनसे पुष्टि होती है कि ऐसी उपचार पद्धतियां कोविड महामारी नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त हैं। उदाहरण के लिए केरल में आयुर्रक्षा क्लिनिक नाम से 1,206 केंद्रों में 3.5 लाख लोगों का इलाज हुआ था।

काम की बात : ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स 30 नवंबर तक यूएएन को आधार से करा लें लिंक, नहीं तो रुक सकता है पीएफ का पैसा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

यूनिवर्सल अकाउंट नंबर को आधार कार्ड से 30 नवंबर तक लिंक करना जरूरी है। ऐसे में अगर आपने अब तक अपने यूएएन नंबर को आधार कार्ड से लिंक नहीं किया है तो जल्द से जल्द कर लें। अगर आप 30 नवंबर तक ऐसा नहीं कर पाते, तो आपको कई दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

लिंक नहीं करने पर रुक सकता है पैसा

अगर आपने 30 नवंबर तक ईपीएफओ और आधार नंबर को लिंक नहीं किया तो आपके खाते में कंपनी की ओर से आने वाला कॉन्ट्रिब्यूशन रोक दिया जाएगा। इसके अलावा इससे आपको श्वपीएफ अकाउंट से पैसा निकालने में भी परेशानी हो सकती है। अगर श्वपीएफ अकाउंट होल्डर का अकाउंट आधार से लिंक्ड नहीं है, तो वे ईपीएफओ की सर्विसेस का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे।

ईपीएफ अकाउंट में कर्मचारी और एम्प्लॉयर दोनों डालते हैं पैसा

ईपीएफओ एक्ट के तहत कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस DA का 12 फीसदी श्वपीएफ अकाउंट में जाता है। तो वहीं, एम्प्लॉयर (कंपनी) भी कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस डीए का 12 फीसदी कॉन्ट्रिब्यूट करती है। कंपनी के 12 फीसदी कॉन्ट्रिब्यूशन में से 3.67 फीसदी कर्मचारी के पीएफ अकाउंट में जाता है और बाकी 8.33 फीसदी कर्मचारी पेंशन स्कीम में जाता है। श्वपीएफ अकाउंट पर सालाना 8.50 फीसदी ब्याज मिल रहा है।

क्या होता है यूएएन नंबर?

भविष्य निधि संगठन में पंजीकृत होने के साथ ही कर्मचारी इस संगठन का सदस्य बन जाता है और इसके साथ ही उसे 12 अंकों का यूएएन (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर) भी जारी कर दिया जाता है। इस नंबर की मदद से ईपीएफओ की सुविधाओं का ऑनलाइन इस्तेमाल किया जा सकता है। यूएएन नंबर की मदद से एक कर्मचारी अपने पीएफ अकाउंट की पासबुक ऑनलाइन तो देख ही सकता है, साथ ही वो अपना पीएफ (प्रोविडेंट फंड) बैलेंस भी ऑनलाइन चेक कर सकता है।

पीएमसी बैंक के ग्राहकों को राहत, 3-10 सालों में लौटाई जाएगी पूरी जमा रकम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

रिजर्व बैंक ने दी विलय के लिए मंजूरी सहकारी बैंक पंजाब एंड महाराष्ट्र को ऑपरेटिव बैंक के ग्राहकों के लिए राहत की खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इसे यूनिटी स्माल फाइनेंस बैंक में मिलाने की मंजूरी दे दी है। बैंक के ग्राहकों को 3 से 10 सालों में जमा रकम मिल जाएगी।

यूएसएफबी को भारत पे और सेंट्रम ने शुरू किया था

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के यूनिटी स्माल फाइनेंस बैंक में पीएमसी बैंक को मिलाया जाएगा। यूनिटी बैंक को भारत पे और सेंट्रम ने मिलकर शुरू किया है। सोमवार को रिजर्व बैंक ने कहा कि इस सौदे के तहत पीएमसी बैंक की संपत्तियों और देनदारियों सहित उसकी सारी जमा रकम को भी यूएसएफबी लेगा।

रिजर्व बैंक ने जारी किया ड्राफ्ट

रिजर्व बैंक ने जो ड्राफ्ट जारी किया है, उसके मुताबिक, पीएमसी बैंक में ग्राहकों की जमा रकम को 3 से 10 सालों में लौटाया जाएगा। हालांकि यूएसएफबी डिपॉजिट इंश्योरेंस के तहत पहले 5 लाख रुपए तक की गारंटी वाली रकम देगा। अगर किसी की रकम इससे ज्यादा जमा है तो फिर उसे 3 सालों में 50 हजार रुपए और अगले 4 सालों में एक लाख रुपए देगा। इसके बाद 5 सालों में 3 लाख रुपए दिया जाएगा जबकि 5.5 लाख रुपए दस साल में दिया जाएगा। बैंक के 84 फीसदी ग्राहकों को जमा रकम मिल चुकी है।

कोई ब्याज नहीं मिलेगा

रिजर्व बैंक ने कहा कि मार्च 2021 के बाद से पांच सालों तक कोई ब्याज ग्राहकों को नहीं मिलेगा। हालांकि पांच साल बाद 2.75 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाएगा। पीएमसी बैंक की कुल 137 शाखाएं हैं और 11,600 करोड़ रुपए का डिपॉजिट है। यूनिटी बैंक दिल्ली का बैंक है और इसे 1,100 करोड़ रुपए के साथ शुरू किया गया है। आरबीआई ने कहा कि इस योजना से संबंधित सभी मामलों पर 10 दिसंबर तक सुझाव मांगे गए हैं। इसमें अगर किसी को कोई आपत्ति या कुछ भी कहना है तो वह इस तारीख तक कह सकता है। इसके बाद पीएमसी को यूएसएफबी में मिला दिया जाएगा।

कुछ समय पहले की गई थी खरीदने की पेशकश

पीएमसी को कुछ समय पहले सेंट्रम और भारत पे ने खरीदने की पेशकश की थी। रिजर्व बैंक ने इसे उसी समय मंजूरी भी दे दी थी। हाल में रिजर्व बैंक ने पीएमसी पर प्रतिबंधों को दिसंबर तक बढ़ा दिया है। वर्ष 2019 में जब पीएमसी बैंक का घोटाला उजागर हुआ तो सितंबर 2019 में रिजर्व बैंक ने पीएमसी बैंक के निदेशक मंडल को खत्म कर दिया। बैंक पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए।

घोटाले के संकेत बहुत पहले मिले थे

एचडीआईएल और DHFL वधावन की कंपनियां थीं। पीएमसी बैंक ने एचडीआईएल के साथ मिलकर अपने डिपॉजिट्स में हेरफेर की। बदले में एचडीआईएल की पूरी ब्लैक मनी पीएमसी बैंक के कैश डिपॉडिट में दिखाया गया। इस बढ़ी हुई कैश लिमिट की जानकारी आरबीआई को नहीं दी गई।

बुरा फंसा कर्ज 9 फीसदी था

पीएमसी बैंक का बुरा फंसा कर्ज यानी NPA 9 फीसदी था, लेकिन बैंक ने इसे केवल 1 फीसदी दिखाया। पीएमसी बैंक ने अपने सिस्टम में 250 करोड़ रुपए का बोगस डिपॉजिट दिखाया। बैंक ने NPA करने वाली कंपनियों जैसे कि ष्ठ॥स्नरुऔर एचडीआईएल को बडी मात्रा में नया लोन दिया। यह लोन इन कंपनियों के डायरेक्टर्स के रिश्तेदारों या पार्टनर के नाम पर दिए गए। बैंक के लोन बुक को बढ़ाने का लिए नकली डिपॉजिट दिखाए गए। आरबीआई ने 20 जून को जमाकर्ताओं के लिए नकदी निकासी की सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दिया था।

ज्यादा कीमत चुकानी होगी

कपड़े से लेकर मोबाइल और टीवी होगा महंगा, 5 से 6 फीसदी बढ़ सकता है भाव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

माल ढुलाई दरें अपने पीक से काफी कम हो गई हैं। लेकिन हाई इनपुट लागत के कारण आने वाले महीने में कपड़े से लेकर मोबाइप फोन और टीवी महंगे हो जाएंगे।

रॉ मैटेरियल की कीमतें बढ़ रही हैं

दरअसल रॉ मैटेरियल की कीमतों में बढ़त और इनपुट लागत बढ़ने से कंपनियां अब इसका बोझ ग्राहकों पर डालने की तैयारी कर रही हैं। टेलीविजन, स्मार्टफोन, रेफ्रिजरेटर और एयर-कंडीशनर की कीमतों में अगले महीने तक 5 से 6 फीसदी की वृद्धि होने की संभावना है। इसके बाद जनवरी या फरवरी से इनकी कीमतें 10-12 फीसदी फिर से बढ़ सकती हैं। परिधान निर्यातक उच्च लागत को आगे बढ़ाने के लिए बड़े ब्रांड्स के साथ रेट पर फिर से मोल भाव कर रहे हैं। भारत में खराब मौसम के कारण उत्पादन और आपूर्ति प्रभावित हुई हैं। इससे फसल का नुकसान भी हुआ है। इस वजह से बासमती चावल जैसी वस्तुओं की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं। भारत से या लाने या ले जाने के लिए कंटेनर का किराया अगस्त में 10,000-12,000 डॉलर तक पहुंच गया था। यह फिलहाल 5-15 फीसदी तक कम हो गया है।

जनवरी में कंटेनर का किराया कम था

हालांकि जनवरी में कंटेनर का किराया 3,000-4,000 डॉलर ही था। उसकी तुलना में यह अभी भी ज्यादा है। निर्यातकों को कीमतों में कमी और कंटेनर उपलब्धता में सुधार की उम्मीद है जिससे भारत के निर्यात को और बढ़ावा मिलेगा।

टमाटर ने बिगाड़ा रसोई का बजट

दिल्ली में 90 रुपए प्रति किलो तक पहुंचे दाम, आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टमाटर के बढ़ते दामों में आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ कर रख दिया है। इस समय टमाटर के दाम 100 रुपए के पार निकल गए हैं। देश में सबसे महंगा टमाटर अण्डमान व निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर में बिक रहा हैं। यहां टमाटर 113 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। देश की राजधानी दिल्ली में 65 से 90 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। इस समय अन्य सब्जियों के भाव सामान्य हैं लेकिन टमाटर ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है।

बिग बाजार	85
ऑनडोर	79
बिग बास्केट	72
जियो मार्ट	69
फ्लिपकार्ट	54

कीमत: रुपए प्रति किलोग्राम

क्यों महंगे हुए टमाटर

टमाटर की खेती करने वाले किसान सोनू यादव बताते हैं कि इस सीजन में टमाटर का भाव प्रति किलो 20 से 30 रुपए रहता है। लेकिन इस समय टमाटर की ज्यादातर सप्लाई दक्षिण राज्यों से हो रही है। इन राज्यों में बारिश के कारण फसल को काफी नुकसान हुआ है इस कारण टमाटर के भाव कई गुना बढ़ गए हैं। वहीं शादियों का सीजन शुरू होने से टमाटर की मांग बढ़ी है। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका से भी टमाटर की खेती कम हुई।

जनवरी-फरवरी से कम हो सकते हैं दाम:- थोक सब्जी कारोबारियों का कहना है कि नई फसल के लिए लोगों को जनवरी-फरवरी तक इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि नई फसल 15 अक्टूबर के आस-पास लगाई गई है, जिसे तैयार होने में कम से कम 3 महीने का समय लगेगा। शादियों के सीजन के साथ होटल, रेस्टोरेंट के खुलने के बाद मांग बढ़ती जा रही है। नेशनल हॉर्टिकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अनुसार, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश भारत, 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ करीब 1.975 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन करता है।

बूस्टर खुराक की जरूरत अभी नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के निदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर खुराक (यानी तीसरी खुराक) देने की जरूरत के समर्थन में अब तक कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि फिलहाल वयस्क आबादी को टीके की दूसरी खुराक दी जाए। सूत्रों के मुताबिक, भारत में टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की अगली बैठक में बूस्टर खुराक को लेकर चर्चा की जा सकती है। भार्गव ने बताया, %सरकार की फिलहाल प्राथमिकता है कि संपूर्ण वयस्क आबादी को टीके की दूसरी खुराक लगाई जाए और न सिर्फ भारत में बल्कि की पूरी दुनिया में टीकाकरण सुनिश्चित हो।% उन्होंने कहा, %वहीं, कोविड के खिलाफ बूस्टर खुराक की जरूरत का समर्थन करने के लिए अब तक वैज्ञानिक साक्ष्य नहीं है बूस्टर खुराक लगाने की संभावना पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल में कहा था कि टीकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और लक्ष्य है कि आबादी को टीके की दोनों खुराकें लगाई जाएं। उन्होंने कहा था कि विशेषज्ञों की सिफारिश के आधार पर बूस्टर खुराक पर निर्णय लिया जाएगा। मंत्री ने कहा था, %सरकार ऐसे मामले में सीधा फैसला नहीं ले सकती है। जब भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और विशेषज्ञ टीम कहेगी कि बूस्टर खुराक दी जानी चाहिए, तब हम इस पर विचार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा विशेषज्ञ की राय पर निर्भर रहे हैं, चाहे वह टीके का अनुसंधान हो, निर्माण हो या मंजूरी हो। अधिकारियों के अनुसार, भारत में लगभग 82 प्रतिशत पात्र आबादी को टीके की पहली खुराक लग गई है, जबकि लगभग 43 प्रतिशत जनसंख्या का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है।

बाजार में सात महीने में सबसे बड़ी गिरावट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में आज भारी गिरावट देखी गई। निवेशकों का उत्साह कमजोर पडने् से बाजार में पिछले सात महीनों की सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट आ गई। सूचीबद्धता के दिन पेटीएम का शेयर पिटने, सूचकांक में अहम हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस के शेयर में गिरावट आने और कृषि कानून खत्म किए जाने की घोषणा ने निवेशकों का हौसला एकदम पस्त कर दिया। यूरोप में कोविड-19 महामारी के एक बार फिर सिर उठाने और अमेरिका में प्रोत्साहन उपाय वापस लिए जाने की संभावित शुरुआत से निवेशकों के मन में पैदा हुई चिंताओं ने भी बाजार में कारोबार की कमर तोड़ दी। कारोबार के दौरान बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का संवेदी सूचकांक 1,624 अंक (2.7 प्रतिशत) तक लुढ़क गया था। बाद में कुछ सुधर कर सेंसेक्स 58,466 पर बंद हुआ। कुल मिलाकर आज सेंसेक्स में 1,170 अंक (1.96 प्रतिशत) की गिरावट देखी गई, जिससे निवेशकों को 8.2 लाख करोड़ रुपये की भारी चपत लग गई। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 332 अंक (1.8 प्रतिशत) फिसलकर 17,532 पर बंद हुआ। दोनों सूचकांकों में आज इस वर्ष 12 अप्रैल के बाद से सबसे अधिक गिरावट आई। पिछले चार सत्रों में सूचकांक 2,253 अंक (3.7 प्रतिशत) तक फिसल चुका है और ज्यादातर वैश्विक बाजारों की तुलना में कमजोर रहा है। देश की सबसे कीमती कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 4.4 प्रतिशत गिरा, जिसने सेंसेक्स को 318 अंक नीचे कर दिया। पेटीएम के शेयरों में गिरावट बढने् से भी निवेशकों का उत्साह फीका पड़ गया। बाजार में मचे कोलाहल पर अवेंडस कैपिटल अल्टरनेट स्ट्रैटेजीज के मुख्य कार्याधिकारी एंड्र्यू हॉलैंड ने कहा, पेटीएम के शेयरों में तेज गिरावट और आरआईएल की खबर ने बाजार को और कमजोर कर दिया।

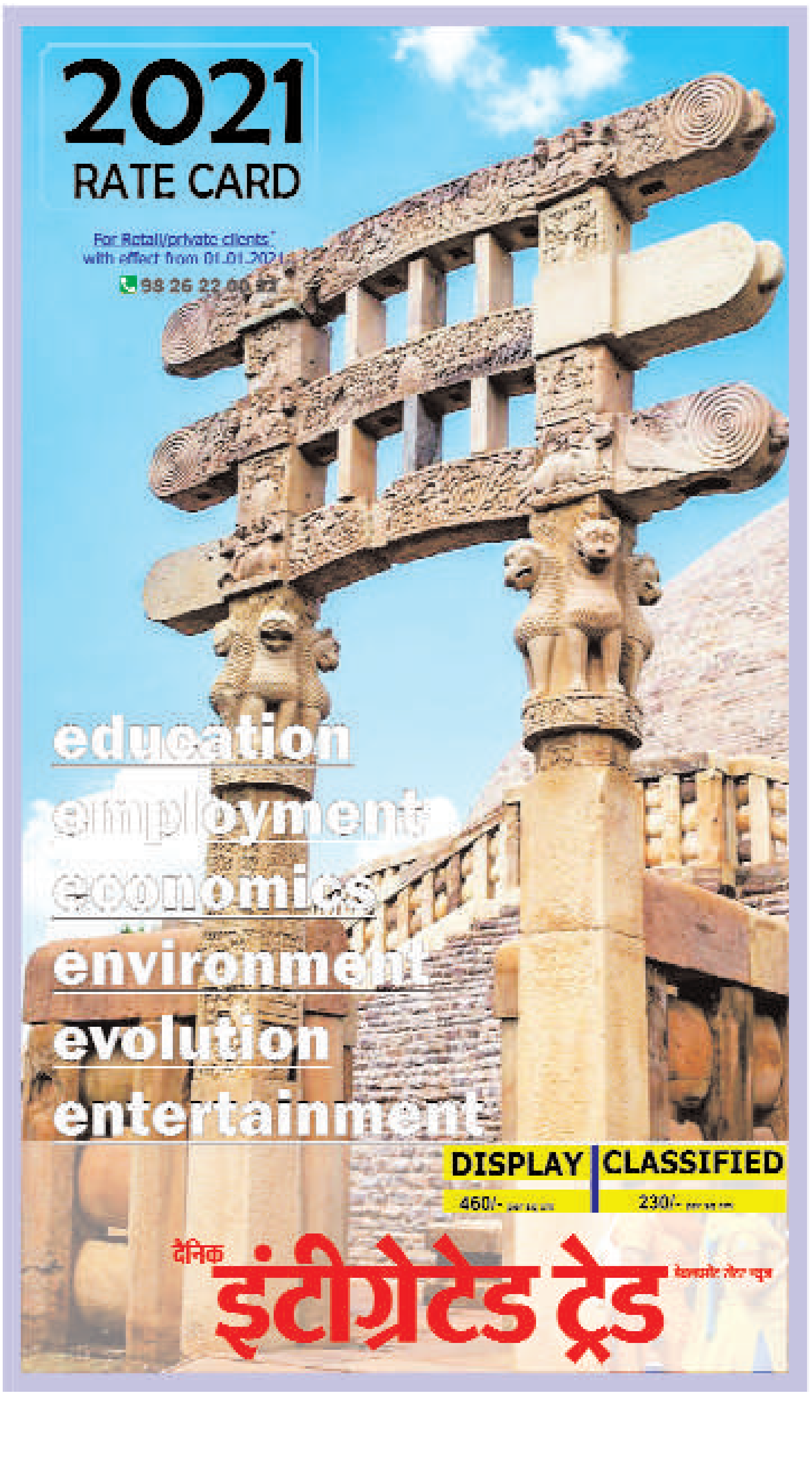

क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के प्रचलन एवं मूल्य में तीव्र वृद्धि

क्रिप्टो करेंसी के लेकर एक बैठक हुई थी जिसमें क्रिप्टो बाजार के नियमन, इसके खतरों और दुनिया भर में क्रिप्टो करेंसी को लेकर फैसलों और चलन पर चर्चा की गई थी। इस बैठक में क्रिप्टोकरेंसी पर दावों के बीच चर्चा की गई थी। बैठक में क्रिप्टो निवेश पर भारी रिटर्न के भ्रामक दावों पर चिंताओं के बीच प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर कहा कि इस तरह के अनियंत्रित बाजारों को धन शोधन और आतंकी वित्तीयन का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता।

सरकार इस संबंध जल्द ही मजबूत नियामक उपाय अपनाएगी। क्रिप्टो करेंसी लेटिन के दो शब्दों क्रिप्टो और करेंसी शब्दों से मिलकर बना है। लेटिन में क्रिप्टो का अर्थ छिपा हुआ तथा करेंसी को रुपये पैसे के लिए प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार क्रिप्टो करेंसी का मतलब छुपा हुआ पैसा, या गुप्त पैसा या डिजिटल रुपया होता है। क्रिप्टो करेंसी एक प्रकार का डिजिटल पैसा है जिसे कोई व्यक्ति छू नहीं सकता किंतु वह अपने पास संभालकर रख सकता है, यानी यह मुद्रा का एक डिजिटल रूप है जिसे किसी सिक्के या नोट की तरह ठोस रूप में किसी की जेब में नहीं होता है। यह पूरी तरह ऑनलाइन होता है। क्रिप्टो करेंसी में सबसे अधिक पुरानी करेंसी बिटकॉइन है जिसका प्रचलन 2009 में प्रारंभ हुआ था। वर्तमान में बिटकॉइन के अलावा अन्य क्रिप्टो करेंसी जो प्रचलन में है, उनमें इथर दूसरे, बिनांस कॉइन तीसरे और सोलाना चौथे स्थान पर हैं।

क्रिप्टो की कीमतों में तेजी के कारण इसका बाजार पूंजीकरण 3 लाख करोड़ डॉलर हो गया है। क्रिप्टोकरेंसी के मूल्य में चढ़ाव-उतार बहुत ज्यादा होता रहा है किंतु कुल मिलाकर इसका मूल्य तेजी से बढ़ता जा रहा है। सबसे अधिक लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन है जिसका वर्तमान में 67,803 डॉलर मूल्य है। जिस तेजी से इसका मूल्य बढ़ रहा है उससे साल के अंत तक एक लाख डॉलर पहुंच जाने की संभावना है। क्रिप्टो के वर्तमान में 1.5 करोड़ सदस्य हैं। दूसरी क्रिप्टो करेंसी इथर का वर्तमान में 4,825 डॉलर मूल्य चल रहा है। अक्टूबर के बाद से अब तक दोनों करेंसी ने 70 प्रतिशत अधिक रिटर्न दिया है। इसका प्रमुख कारण अमेरिका में क्रिप्टो करेंसीज का विश्व में पहला एक्सचेंज ट्रेंडिंग फंड ईटीआई लॉन्च होना बताया जा रहा है। पिछले सप्ताह बिटकॉइन में 9.5 करोड़ डॉलर की रकम आई थी।

भारत सहित सभी देशों में व्यवसायी लोग क्रिप्टो करेंसी में धन का उपयोग करके अपनी आमदनी बढ़ाने का प्रयास करते हैं। राजस्व सचिव तरूण बजाज के अनुसार, भारत में कुछ लोग क्रिप्टो करेंसी पर होने वाली आय पर पूंजीगत भुगतान कर रहे हैं। माल एवं सेवा कर जीएसटी के संबंध में भी कानून है कि इसकी दरें अन्य सेवाओं की तरह लागू होंगी। अनेक व्यापारी पहले से ही इसका भुगतान कर रहे हैं। राजस्व सचिव से यह पूछे जाने पर कि क्रिप्टो करेंसी के ट्रेडिंग में शामिल लोगों को ब्रोकर, फेसिलिटेटर और ट्रेडिंग प्लेटफार्म के रूप में वर्गीकृत करके क्या कराधान में शामिल किया जाएगा, इस पर राजस्व सचिव तरूण बजाज का उत्तर था कि जीएसटी कानून के अनुसार जो भी ब्रोक्रेज शुल्क ले रहा है उसे जीएसटी देना होगा। जहां तक आयकर का सवाल है केन्द्र सरकार आयकर कानूनों में बदलाव करके इसे आयकर के दायरे में लाएगी। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि क्रिप्टो करेंसी से देश की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिरता को लेकर गहरी चिंताएं जुड़ी हुई हैं। क्रिप्टो करेंसी से जुड़े मुद्दों पर गहन विमर्श की जरूरत है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को इसके जरिए लुभाने की कोशिश की जा रही है जैसा कि क्रिप्टो खाता खोलने के लिए ऋण भी दिए जा रहे हैं। वित्त पर संसद की स्थायी समिति ने क्रिप्टोकरेंसी के तमाम पहलुओं को लेकर हितधारकों से चर्चा की जिसमें कुछ सदस्यों ने इस पर प्रतिबंध की बात कही किंतु अधिकांश सदस्यों ने इस पर प्रतिबंध की बजाय नियमन की बात की। ऐसी चर्चा है कि सरकार संसद के आगामी सत्र में क्रिप्टोकरेंसी पर एक विधेयक ला सकती है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने क्रिप्टो करेंसी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। पिछले सप्ताह क्रिप्टो करेंसी के लेकर एक बैठक हुई थी जिसमें क्रिप्टो बाजार के नियमन, इसके खतरों और दुनिया भर में क्रिप्टो करेंसी को लेकर फैसलों और चलन पर चर्चा की गई थी। इस बैठक में क्रिप्टोकरेंसी पर दावों के बीच चर्चा की गई थी। बैठक में क्रिप्टो निवेश पर भारी रिटर्न के भ्रामक दावों पर चिंताओं के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मुद्दे पर कहा कि इस तरह के अनियंत्रित बाजारों को धन शोधन और आतंकी वित्तीयन का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता। सरकार इस संबंध में जल्द ही मजबूत नियामक उपाय अपनाएगी।

संपादकीय

अड़ियल रवैये पर कायम किसान नेता, गलतफहमी का हैं शिकार, कर रहे जमीनी हकीकत की अनदेखी

लखनऊ में जमा किसान नेताओं ने अपनी मांगों को लेकर जो कुछ कहा उससे यह स्पष्ट है कि वे अपने अड़ियल रवैये पर कायम रहना चाहते हैं। समस्या केवल यह नहीं है कि वे अपनी ही चलाने पर आमादा हैं, बल्कि यह भी है कि उनकी ओर से ऐसा प्रकट किया जा रहा है जैसे वे देश के समस्त किसानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। सच्चाई यह है कि संयुक्त किसान मोर्चे के नेता केवल ढाई राज्यों अर्थात पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का हित साध रहे हैं। इनमें भी वे किसान हैं जो कहीं अधिक समर्थ हैं। यह एक तथ्य है कि इस किसान आंदोलन में न तो देश के आम किसानों की भागीदारी है और न ही पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी और मध्य भारत के किसान नेताओं की। यही कारण है कि जिस किसान आंदोलन को राष्ट्रव्यापी बताया जा रहा है वह दिल्ली और उसके आसपास ही केंद्रित है। संयुक्त किसान मोर्चे के नेता ऐसा भी कोई दावा नहीं कर सकते कि वे देश के सभी किसानों की मांगों को सामने रख रहे हैं, क्योंकि सच्चाई तो यही है कि वे उन किसानों के हितों को संरक्षित करने में लगे हुए हैं जो न्यूनतम समर्थन मूल्य का सर्वाधिक लाभ उठाते हैं। एक समस्या यह भी है कि किसान नेता खेती-किसानी में हो रहे परिवर्तन से भी अनजान हैं और यह

समझने को भी तैयार नहीं कि आज के इस दौर में खेती में क्या और कैसे बदलाव लाने की जरूरत है। वे इसकी जानबूझकर अनदेखी कर रहे हैं कि देश में तमाम किसान ऐसे हैं जिन्होंने आधुनिक खेती के तौर-तरीकों को अपनाकर अपनी समस्याओं से मुक्ति पाई है। आखिर जब छोटे एवं मझोले किसान ऐसा कर सकते हैं तो समर्थ किसान क्यों नहीं कर सकते। वास्तव में किसान नेता उस परंपरागत खेती की पैरवी कर रहे हैं जो धीरे-धीरे घाटे का सौदा बनती जा रही है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद वे न तो फसल चक्र में बदलाव लाने को तैयार हैं और न ही यह समझने को कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेती एवं कृषि उपज का व्यापार क्या रूप ले रहा है। किसान नेता अब अपनी जिन नई मांगों को लेकर सामने आ गए हैं उनमें से कुछ तो ऐसी हैं जिन्हें मानने से न केवल खेती का बेड़ा गर्क हो जाएगा, बल्कि पर्यावरण को भी और अधिक गंभीर क्षति पहुंचेगी। किसान नेताओं की मांगें मानने से सब्सिडी का जो मौजूदा ढांचा है वह भी ध्वस्त हो जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा इस पर अड़ गया है कि एमएसपी पर खरीद का गारंटीशुदा कानून बने। ऐसा कोई कानून किसानों की समस्याओं को बढ़ाने वाला और कृषि उपज खरीद की मौजूदा व्यवस्था को ध्वस्त करने वाला ही होगा।

भाजपा के खिलाफ किसान

भाजपा हराओ मिशन को आगे बढ़ाते हुए 22 नवंबर को लखनऊ में किसानों की पूर्व निर्धारित महापंचायत आयोजित हुई और इसमें हिस्सेदारी के लिए बड़ी संख्या में किसान पहुंचे। अब तक दिल्ली की सीमाओं पर धरने और विरोध प्रदर्शन के साथ-साथ किसान कई जगहों पर महापंचायत करते रहे हैं और हर महापंचायत से कृषि कानून वापसी की मांग जोर-शोर से उठाई जाती रही। लेकिन लखनऊ की ये महापंचायत इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि यह प्रधानमंत्री की कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा के बाद हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो शुक्रवार को ही किसानों से कहा था कि अपने-अपने घर चले जाएं। और उन्हें शायद उम्मीद रही होगी कि किसान उनकी बात पर भरोसा करते हुए लौट भी जाएंगे, लेकिन पिछले एक साल में किसानों ने सरकार की संवेदनहीनता, हठधर्मिता और मनमानी की खूब मार खाई है।

किसान समझ रहे हैं कि प्रधानमंत्री ने जिन शब्दों के साथ कानून वापसी का ऐलान किया, उन शब्दों के असल मायने क्या हैं। इसलिए किसानों ने आंदोलन खत्म नहीं किया, बल्कि सोमवार की महापंचायत भी आयोजित की। ताकि वो देश को एक ओर अपने आंदोलन की जीवटता का एहसास करा सकें और दूसरी ओर न्याय के लिए संघर्ष के रास्ते पर डटे रहने की मिसाल भी पेश कर सकें। लखनऊ की इस महापंचायत के ऐतिहासिक संदर्भ भी हैं। 1920 में अवध में जमींदारों द्वारा शोषण व उत्पीड़न के विरुद्ध संघर्ष के लिए %किसान सभा% गठित हुई थी। जिसके तहत शुरु हुए किसानों के आंदोलन को बाबा रामचंद्र ने धार दी और ब्रिटिश हुकूमत को आंदोलन के दबाव में अवध रेंट ऐक्ट-1868 में संशोधन करना पड़ा, जिसके द्वारा सभी काश्तकारों को जमीन पर मालिकाना हक मिला। इसके बाद नवंबर, 1921 में लखनऊ के मलिहाबाद से %एका% आंदोलन शुरू हुआ, मदारी पासी व ख्वाजा अहमद के नेतृत्व में यह आंदोलन सामंती तथा साम्राजी हुकूमत के विरुद्ध किसानों की स्वतंत्र शक्ति का प्रदर्शन था। बीसवीं शताब्दी के चौथे और पांचवें दशक में भी देश के

अनेक भागों में जुझारू किसान आंदोलन फूट पड़े, जिनके दबाव में स्वाधीनता के तुरंत बाद कांग्रेस सरकार को जमींदारी एवं जागीरदारी प्रथा के खात्मे के कदम उठाने पड़े। आज उसी अवध की जमीन पर सौ साल बाद फिर से किसानों का संघर्ष और उनके संगठन की ताकत का अहसास हुक्मरानों को हो रहा है। आज के दौर में जमींदारों की जगह उद्योगपतियों ने ले ली है, जिनके साथ सरकार की सांठ-गांठ है। किसान इस पूंजीवादी गठजोड़ के खिलाफ खड़े होकर किसानी के साथ-साथ लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। लखनऊ की महापंचायत में संयुक्त किसान मोर्चा ने सरकार के सामने अपनी छह प्रमुख मांगे रखी हैं- एमएसपी को लेकर क़ानूनी गारंटी दी जाए। बिजली संशोधन विधेयक को वापस लिया जाए। पराली जलाने पर जुर्माने के प्रावधानों को ख़त्म किया जाए। आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज हुए मुक़दमों को वापस लिया जाए। केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए। आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों को मुआवजा दिया जाए और सिंधु बॉर्डर पर उनकी याद में स्मारक बनाने के लिए ज़मीन दी जाए। किसानों ने ये मांगें पहले भी एक पत्र के जरिए मोदी सरकार के सामने रखी हैं। जब कानून वापसी पर फैसला लेने में सरकार ने एक साल का लंबा वक्त लगा दिया तो इन छह मांगों में से कितनी मांगें सरकार मानती है और इन पर फैसला लेने के लिए कितना वक्त लगाती है, यह भी चुनावी नफा-नुकसान देख कर ही तय होगा।

अगर भाजपा को यह अंदेशा होता है कि किसानों से अब भी नुकसान की गुंजाइश है, तो मुमकिन है ये छह मांगें पूरी होने का आश्वासन मिल जाए और अगर कहीं ये उम्मीद भाजपा को बंधती है कि किसानों की नाराजगी के बावजूद उप्र चुनाव में भाजपा अच्छा प्रदर्शन कर लेगी, तो फिर इन मांगों के पूरा होने पर संशय है। वैसे भी अभी जिस तरह प्रधानमंत्री ने कानून वापसी की घोषणा की है, उससे भाजपा के कई नेता और सरकार समर्थक पत्रकार खफा हैं। भाजपा नेता उमा भारती ने साफ कहा कि %कानूनों की वापसी करते समय जो उन्होंने कहा, वह मेरे जैसे लोगों को बहुत व्यथित कर गया%। कुछ राष्ट्रवादी पत्रकारों ने भी यह व्यथा प्रकट की है कि साल भर तक वे जिस कानून के समर्थन में जनता के सामने बातें रखते रहे, अब किस तरह उन्हें नकारेंगे। कृषि कानूनों के प्रबल समर्थक एक कृषि अर्थशास्त्री ने खीझ कर पूछा है कि प्रधानमंत्री का यह कदम टैक्टिकल रिट्रीट है या आत्मसमर्पण! इन कृषि अर्थशास्त्री को दर्द है कि अब शायद लंबे समय तक भविष्य की कोई भी सरकार कृषि क्षेत्र में %सुधार% के कदम उठाने की हिम्मत न जुटा सके! कानून वापसी पर अलग-अलग शब्दों में व्यक्त हो रही यह पीड़ा दरअसल कार्पोरेट क्षेत्र की नाराजगी को ही अभिव्यक्त कर रही है। और प्रधानमंत्री मोदी ने कार्पोरेट आकाओं को संदेश देने के लिए ही शायद यह कहा कि वे अब भी सैद्धांतिक तौर पर मजबूती से कृषि कानूनों के पक्ष में खड़े हैं। एक ओर किसानों के हितों का दावा, दूसरी ओर कार्पोरेट जगत को खुश करने वाली जबान बोलने से सरकार के प्रति अविश्वास उपजना स्वाभाविक है। इसलिए फिलहाल संयुक्त किसान मोर्चा ने तय किया है कि अभी आंदोलन जारी रखा जाएगा। देखना होगा कि भाजपा दो नावों पर सवार होकर उप्र चुनाव में पार पा सकती है या फिर दुविधा में दोनों गए, माया मिली न राम वाली हालत भाजपा की होती है।

भारतीय वामपंथियों को बेहतर कल के संघर्ष के लिए कई सबक लेने होंगे

धर्मनिरपेक्ष-लोकतांत्रिक गणराज्य पर चौतरफा हमले के समय में विशेष महत्व रखता है। रूसी क्रांति की वर्षगांठ पर एक साथ आना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इतिहास की एकमात्र घटना है जिसका उत्सव और स्मरण ही पूरे शोषक नव-उदारवादी पूंजीवादी प्रतिष्ठान को कंपकंपी भेज सकता है। सोवियत संघ के पतन के बावजूद, रूसी क्रांति की शिक्षाएं एक सदी से भी अधिक समय के बाद भी दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करती हैं। मानव इतिहास में कुछ घटनाओं का उल्लेख किया जा सकता है जिन्होंने मानव समाज की हमारी समझ को रूसी क्रांति (25 अक्टूबर, 1917, नए कैलेंडर 7 नवंबर के अनुसार) की सीमा तक बदल दिया है। जबकि फ्रांसीसी क्रांति ने जनता की क्रांतिकारी आकांक्षाओं को हवा दी लेकिन बाद में बोनापार्टिज्म का शिकार हो गई, यह रूसी क्रांति थी जो पहली बार श्रमिक राज्य स्थापित करने में सफल रही। कई दूरदर्शी और दार्शनिकों ने शोषण, असमानता और अन्याय से मुक्त समाज की कल्पना करने की कोशिश की है, लेकिन यह महान लेनिन थे, जिनके नेतृत्व में रूस के लोगों ने कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स की मुक्तिवादी विचारधारा का पालन करते हुए सोवियत को दुनिया के नक्शे पर लाया। इस महत्वपूर्ण मोड़ पर मौजूद अमेरिकी पत्रकार जॉन रीड ने अपनी पुस्तक में उस दौर के ऐतिहासिक बदलाव का वर्णन किया है। रूसी क्रांति का निर्माण तीक्ष्ण सैद्धांतिक परीक्षाओं और मार्क्सवाद के विचारों के साहसी अभ्यासों की नींव पर हुआ था। मार्क्सवाद की क्रांतिकारी विचारधारा ने रूसी क्रांति को साम्राज्यवाद विरोधी, समाजवाद, अंतरराष्ट्रीयतावाद के मूल्यों को प्रदान किया, जबकि रूसी जनता को पूंजीवादी शोषण और जारिस्ट तानाशाही के चंगुल से मुक्त किया। यह वह वैचारिक आधार है जिसने रूसी क्रांति को विश्व इतिहास में एक युगांतरकारी घटना बना दिया और दुनिया भर में मुक्ति संघर्षों को प्रेरित किया।

पूरे यूरोप में, एक नए समाज को संगठित करने में मार्क्सवाद की भूमिका के बारे में तीखी बहसें चल रही थीं, लेकिन लेनिन ही थे, जिन्होंने रूसी विशिष्टताओं के अनुसार मार्क्सवाद को लागू किया। तब मार्क्सवादी हलकों में यह अपेक्षा की गई थी कि जर्मनी और इंग्लैंड जैसे उस समय के सबसे उन्नत औद्योगिक देशों में क्रांतिकारी परिस्थितियां परिपक्वहैं। इसके बजाय, पहली समाजवादी क्रांति रूस के पिछड़े देश में हुई क्योंकि लेनिन ने निरंकुशता को उखाड़ फेंकने में श्रमिकों और किसानों के गठबंधन को नेतृत्व और सैद्धांतिक सुसंगतता दी। तब से रूसी क्रांति और अन्य मुक्तिक संघर्षों के अनुभव से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि एक सुविचारित विचारधारा और इसके संदर्भ-संवेदनशील अनुप्रयोग का पालन एक सार्थक और प्रभावी तरीके से शोषण, पदानुक्रम, बेदखली के रूपों और तरीकों से निपटने के लिए अनिवार्य है। मार्क्सवादियों और सामाजिक-जनवादियों के बीच बहस के चरम पर लेनिन ने लिखा, %क्रांतिकारी सिद्धांत के बिना कोई क्रांतिकारी आंदोलन नहीं हो सकता। ऐसे समय में इस विचार पर बहुत अधिक जोर नहीं दिया जा सकता है जब अवसरवाद का फैशनेबल उपदेश व्यावहारिक गतिविधि के सबसे संकीर्ण रूपों के लिए एक मोह के साथ हाथ से जाता है।% (लेनिन, 1902)। क्रांति के सिद्धांत और व्यवहार और शोषण को समाप्त करने की लड़ाई ने इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रासंगिक और प्रेरक बना दिया।

रूसी क्रांति की खबर का भारत में उत्साह के साथ स्वागत किया गया। इसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में नई आशाओं और कार्यक्रमों को प्रसारित किया। भारतीय लोग जल्दी से लाल झंडे की ओर आकर्षित हो गए और हमारे देश में इसके सभी रूपों में शोषण को समाप्त करने का वादा किया, जो उन पर शासन करने वाली एक विदेशी शक्ति के साथ वर्ग, जाति, धर्म और लिंग की असमानताओं से ग्रस्त था। हजारों की संख्या में युवा धीरे-धीरे एक समाजवादी भारत के उद्देश्य से पहचानने लगे और हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सबसे प्रगतिशील और ठोस योगदान दिया। चाहे वह एक स्वतंत्र संविधान सभा की मांग हो, पूर्ण स्वतंत्रता, श्रम अधिकार, जमींदारी का उन्मूलन या मौलिक अधिकार, निस्वार्थ जमीनी कार्य और सीपीआई के नवजात सूत्रीकरण द्वारा सर्वोच्च बलिदान और अन्य जो भगत सिंह जैसे रूसी क्रांति के आदर्शों से प्रेरित हैं। सहायक सिद्ध हुआ। हमारे नेताओं ने भी भारतीय वास्तविकता की जटिलता को समझा और 1925 में पहली पार्टी कांग्रेस में ही अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए चलती-फिरती टिप्पणी की। एक क्रांतिकारी विचारधारा से प्रेरित होकर, वामपंथी एटक (1920), छात्रों के माध्यम से औद्योगिक श्रमिकों को संगठित करने वाले पहले व्यक्ति थे। अखिल भारतीय छात्र संघ (1936), किसान अखिल भारतीय किसान सभा (1936) के माध्यम से, लेखक प्रगतिशील लेखक संघ (1936) के माध्यम से और कलाकार भारतीय पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन (1943) के माध्यम से। ये सभी संगठन समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और समाज के सबसे प्रगतिशील वर्गों के प्रतिनिधि बने हुए हैं। इस गौरवशाली इतिहास से सबक लेते हुए, वामपंथियों के सामने आज का कार्य स्वतंत्रता आंदोलन के समय की तरह जटिल है। हम ऐसे समय में रह रहे हैं, जहां भाजपा-आरएसएस गठबंधन के शासन में जातिगत भेदभाव, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और लैंगिक असमानता हमें नए जोश के साथ देख रही है। यह हमारी कड़ी मेहनत से प्राप्त स्वतंत्रता और स्वतंत्रता आंदोलन की समावेशी विरासत को खा रहा है। नव-उदारवादी पूंजीवाद का हमला भी हमारी राष्ट्रीय संपत्ति को खराब कर रहा है। चिंताजनक रूप से, आरएसएस के विभाजनकारी आख्यान की चुनौती पिछले कुछ वर्षों में खगोलीय अनुपात तक बढ़ गई है। आरएसएस का प्रचारतंत्र महत्वपूर्ण भौतिक महत्व के मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है और सभी तरह के असंतोष को राष्ट्र-विरोधी करार दे रहा है। इस संकट में घिरी विचारधारा का महत्व और उसकी लड़ाई एकदम स्पष्ट हो गई है. धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील विपक्षी दलों का एक साथ आना और भाजपा को हराना इस कार्यक्रम का सबसे तात्कालिक हिस्सा है। आरएसएस मनुस्मृति के समर्थक के रूप में विभाजनकारी, हिंसक विचारों और राजनीति में निहित है। वे हमारे संविधान की अवमानना और पितृसत्ता, जाति, धर्म और लिंग के आधार पर एक लोकतांत्रिक, पदानुक्रमित समाज के प्रति दृढ़ अभिविन्यास द्वारा चिह्नित हैं।

बड़प्पन दिखाएं किसान संगठन

लोकतंत्र में हठधर्मिता के लिए कोई स्थान नहीं होता और ऐसा होना भी नहीं चाहिए। जड़ता एवं टकराव लोकतंत्र की प्रकृति-प्रवृत्ति नहीं। संवाद से सहमति और सहमति से समाधान की दिशा में सतत सक्रिय एवं सचेष्ट रहना ही लोकतंत्र की मूल भावना है। गुरु पर्व के पवित्र अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करते हुए इसका अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उदारता दिखाते हुए उन्होंने देशवासियों से इसके लिए क्षमा भी मांगी कि सरकार नए कृषि कानूनों की उपयोगिता को समझाने में विफल रही। साथ ही किसानों और खेती के हित में निरंतर कल्याणकारी निर्णय करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता भी जताई। सरकार और प्रधानमंत्री की यह पहल स्वागतयोग्य है कि उन्होंने कृषि कानूनों को अहम का मुद्दा नहीं बनाया। इस फैसले को किसी पक्ष की हार-जीत के रूप में देखा जाना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं परंपराओं के विरुद्ध होगा। जनता के हितों एवं सरोकारों के प्रति सजग, सतर्क एवं संवेदनशील सरकार किसी भी वर्ग की भावनाओं को लेकर लंबे समय तक उदासीन नहीं रह सकती। भले ही ऐसे लोगों की संख्या बहुत सीमित ही क्यों न हो। बड़े हितों को साधने के लिए कभी-कभी दो कदम पीछे हटना भी व्यावहारिक नीति मानी जाती है। वह बड़ा हित राष्ट्रीय एकता-अखंडता और सामाजिक सौहार्द को हर हाल में बनाए रखना है। जहां तक खेती-किसानी के हितों का प्रश्न है तो केंद्र सरकार ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में निरंतर वृद्धि की है। दलहन और तिलहन उत्पादों पर तो लगभग दोगुनी मूल्य वृद्धि की गई है। लाभकारी मूल्यों पर किसानों से उत्पादों की खरीद बढ़ाई है। सरकार ने अपने नीति-निर्णय-नीयत में पहले भी किसानों के हितों एवं सरोकारों को प्राथमिकता दी है और आगे भी सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया है। सरकार के ऐसे रुख-रवैये को देखते हुए आंदोलनरत किसानों को भी समझदारी एवं उदारता का परिचय देकर अपना धरना-प्रदर्शन समाप्त करना चाहिए। उन्हें याद रखना चाहिए कि इस देश ने कभी अराजकता के व्याकरण को नहीं सीखा। हिंसा के पाठों को कभी नहीं दोहराया।

सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा करने और राष्ट्रीय

Lovely Ladies! बढ़ती उम्र में इन 8 बातों की टेंशन छोड़कर खुलकर जिएं

प्रतिमा जयसवाल

उम्र बढ़ना नेचुरल प्रोसेस है। सभी को इस प्रोसेस से गुजरना ही है। बढ़ती उम्र के साथ कई चुनौतियां हैं, तो कई सुकून भी जुड़े हुए हैं। ऐसे में मायने रखता है कि आप किसी भी बात की टेंशन न लेते हुए खुलकर जिएं। 8 मार्च को इंटरनेशनल वुमेन्स डे यानी महिला दिवस पूरी दुनिया में सेलिब्रेट किया जाता है। ऐसे में यह खास दिन खुद को कुछ बातें समझाने के लिए सबसे अच्छा दिन है। ये बातें उम्र के हर पड़ाव पर आपके काम आएगी-

उम्र का बढ़ना

ज्यादातर लोग कहते हैं कि एक लड़की की उम्र बहुत मायने रखती है लेकिन यकीन मानें, यह दुनिया का सबसे बड़ा छलावा है। एजिंग होना एक नेचुरल प्रोसेस है। फिर चाहे महिला हो या फिर पुरुष। उम्र सभी की बढ़नी है इसलिए उम्र की चिंता छोड़कर खुलकर जिएं।

स्किन प्रॉब्लम्स

बढ़ती उम्र का असर स्किन पर दिखना बहुत बड़ी बात नहीं है। आप एजिंग के इस प्रोसेस को योगा, मेडिटेशन, एक्सरसाइज और घरेलू नुस्खों की मदद से स्लो डाउन कर सकती हैं। सबसे खास बात है कि आप खुश रहें क्योंकि इससे आपके चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है।

बीती बातें बिसार दें

यादों का इडियट बॉक्स सभी के पास होता है। जिसमें अच्छी-बुरी हर तरह की यादें भरी होती हैं। ऐसे में आपको बुरी घटनाओं को बार-बार याद करने की जरुरत नहीं है। जो बीत गई, सो बात गई पर अमल करते हुए आप वर्तमान में जिएं।

शादी या रिलेशनशिप का प्रेशर

शादी या रिलेशनशिप के सभी के अपने-अपने अनुभव और परिस्थितियां होती हैं। किसी ने 20 साल की उम्र में शादी कर ली होती है, तो कोई 30 के बाद भी शादी नहीं करता। ऐसे में आप इस बात का प्रेशर न लेते हुए खुश रहें। आपकी परिस्थितियां और अनुभव सिर्फ आपको पता है। ऐसे में किसी की बातों का स्ट्रेस न लेते हुए fly solo का आनंद लें।

कॅरियर, प्रोमोशन, पोजिशन

जीवन में हर कोई आगे बढ़ना चाहता है लेकिन अपनी डेडिकेशन को कभी भी सनक न बनने दें। आप बस अपनी रणनीति

के हिसाब से मेहनत करें। कभी-कभी मेहनत के हिसाब से हमें रिजल्ट नहीं मिल पाता। यकीन मानें, आपकी तरह ज्यादातर लोग कॅरियर में इन चीजों से जूझते हैं लेकिन फिर भी उम्मीद न छोड़ते हुए लगे रहें। टेंशन न लें, कुछ काम समय के साथ ही सम्भव हो पाते हैं।

धोखेबाजी या दोस्तों का बदलना

लोगों खासतौर पर आपके करीबियों का बदलना बहुत ही दुख देता है लेकिन आप किसी के बदलने पर कुछ नहीं कर सकते। कभी-कभी दोस्तों की हर मौके पर मदद और हमेशा सौ प्रतिशत देने के बाद भी लोग छोटे-से फायदों के लिए आपसे धोखा कर जाते हैं। ऐसे में आप इन बातों को खुद पर हावी न होने दें। याद रखें, दूसरों को ठगने वाला कभी न कभी अपना नुकसान कर बैठता है।

लोगों की बातें, तानें, मजाक उड़ाना

दुनिया में सबसे आसान काम है कि मेहनत से आगे बढ़ते हुए व्यक्ति का मजाक बनाना। कई लोगों के लिए चुपचाप अपने टारगेट पर फोकस करती हुई लड़कियां सॉफ्ट टारगेट होती हैं। ऐसे में किसी न किसी बात को हाइलाइट करते हुए वे अक्सर मजाक उड़ाते हैं। ऐसे में सबसे बेहतर है कि जब तक वे सीधे आपसे कुछ न कहें, उनकी पीठ पीछे कही बातों को इग्नोर करें। सामने कहने पर उन्हें करारा जवाब दें जिससे कि वे आपको सॉफ्ट टारगेट के तौर पर ट्रीट न करें।

इमपरफेक्ट आइलाइनर, मेकअप या गोल रोटियां

कई लड़कियां बहुत प्रोफेशन मेकअप आर्टिस्ट की तरह आइलाइनर लगाती हैं। जो बहुत ही प्यारा लगता है लेकिन कई लड़कियों के लिए यह किसी रॉकेट साइंस की तरह है। ऐसे में आपको इन बातों का स्ट्रेस लेने की जरुरत नहीं है। कहने का मतलब है कि गोल रोटियां बेलने के प्रेशर से लेकर अगर आप किसी स्किल्स में बेहतर नहीं हैं, तो इससे अपना कॉन्फिडेंस लेवल न गिराएं। दुनिया में कोई भी परफेक्ट नहीं है।

महिला दिवस पर अपनी सिम्पल साड़ी को दें ट्विस्ट, ये बेसिक टिप्स आपको बनाएंगे स्टाइलिश नारी

पहली बार साड़ी पहनने की फीलिंग ही अलग होती है लेकिन जब साड़ी आपका रोजाना का पहनावा बन जाता है, तो आप इसे कैजुअल अंदाज में कैरी करने लगती हैं। जिससे कुछ समय बाद साड़ी कैरी करना बोरिंग लगने लगता है। ऐसे में आपको साड़ी को स्टाइलिश लुक देने के लिए कुछ स्टाइलिंग टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। 8 मार्च इंटरनेशनल वुमेन्स डे पर आप कुछ अलग अंदाज में ड्रेसअप ये टिप्स आपकी मदद करेंगे-

एवरग्रीन पर्ल ज्वैलरी

आप अगर सिम्पल स्टाइल के साथ साड़ी कैरी करना चाहती हैं, तो आप फ्लोरल साड़ी पर वाइट पर्ल ज्वैलरी पहन सकती हैं। इससे आपको बेहद क्लासी लुक मिलेगा। पर्ल ज्वैलरी हर साड़ी के साथ आसानी से मैच हो जाती है।

फ्यूजन टच

आजकल फ्यूजन लुक काफी ट्रेंडिंग है। आपको भी साड़ी को अलग स्टाइल में पहनना हो, तो साड़ी के साथ कोई लॉन्ग एथनिक या फिर सिम्पल जैकेट पहन लें। आपका लुक परफेक्ट लगेगा।

हैवी सिल्क साड़ी

एम्ब्रायडरी या फिर वाइड बॉर्डर साड़ी का भी एक अलग ही क्रेज देखने को मिलता है। क्लासी लुक के लिए आपको इस साड़ी के साथ मिनिमल मेकअप रखते हुए बस पोटली कैरी करनी है। कई बार ऐसी हैवी साड़ी के साथ लेडीज ओवर जूलरी कैरी कर लेती है, जिससे पूरा लुक खराब हो जाता है।

पोलका डॉट रेडी टू वेयर

आपको अगर फैशन को लेकर कंफ्यूजन होती है, तो आप अपने वार्डरोब में हमेशा पोलका डॉट यानी बॉबी प्रिंट साड़ी जरूर रखें। इसे आप किसी भी मौके के हिसाब से स्टाइलिश ब्लाउज और मैचिंग ज्वैलरी के साथ टीमअप करके पहन सकती हैं।

सीक्वेन साड़ी

ट्रेडिशनल फंक्शन हो या फिर नाइट पार्टी, सीक्वेन साड़ी हमेशा ही आपको स्टनिंग लुक देती है। इस साड़ी की सबसे खास बात यह है कि इसके साथ आपको हैवी मेकअप या जूलरी कैरी करने की टेंशन नहीं होती। आपको इस साड़ी के साथ स्टाइलिश ब्लाउज ही रखना चाहिए।

स्टाइलिश ब्लाउज

किसी भी सिम्पल साड़ी को स्टाइलिश बनाने का सबसे बेसिक फंडा है कि स्टाइलिश डिजाइन वाला ब्लाउज साड़ी के साथ टीमअप किया जाए। आप रफल, बैकलेस, फुल स्लीव्स, कॉलर, की-होल, ब्लाउसन जैसे पैटर्न के ब्लाउज ट्राई कर सकती हैं।

वुमेन्स डे को स्पेशल बनाने के लिए पांच मजेदार सेलिब्रेशन आइडियाज

वुमेन्स डे को स्पेशल बनाने के लिए आप क्या कर रहे हैं? आपके दिमाग में अगर वही बोरिंग आइडियाज है, तो एक नजर यहां दिए गए आइडियाज पर भी डालें। आप में से कुछ लोगों को लगेगा कि वुमेन्स डे ही तो है, इसमें खास बात क्या है? तो जरा इस बात पर भी ध्यान दें कि भागती-दौड़ती जिंदगी में खुश रहने के जितने बहाने मिल जाएं, वो कम ही है। वुमेन्स डे के बहाने अगर आपको फैमिली और फ्रेंड्स के साथ सेलिब्रेशन का मौका मिल रहा है, तो मौके का पूरा-पूरा फायदा उठाएं।

खाने में कुछ स्पेशल हो जाए!

लवली लेडी हो या हैंडसम मैन! आप दोनों मिलकर फैमिली और फ्रेंड्स के लिए कोई खास डिश बना सकते हैं। वैसे, सबसे बेस्ट आइडिया होगा, घर की महिलाओं को एक दिन रेस्ट देकर आप कुछ स्पेशल बनाएं। वहीं, अकेले रहने वाली महिलाएं अपने लिए कुछ खास डिश बना सकती हैं।

डांस से भगाएं स्ट्रेस

जीवन में किसी न किसी बात की टेंशन सभी को है। ऐसे में इस टेंशन को लेकर बैठना कहीं से भी समझदारी नहीं है। आप वुमेन्स डे पर फैमिली, फ्रेंड्स, पार्टनर के साथ डांस करके माहौल को खुशनुमा बना सकते हैं।

याद करें बचपन

फैमिली के साथ बैठकर बचपन के दिन याद करें। साथ में कुछ खाने-पीने के साथ गपशप करते हुए माहौल को लाइट बनाएं। साथ ही साथ पुरानी बातों को अंदर रखने की बजाय उन पर बात करके पुराने गिले-शिकवे दूर करें। खासकर घर की महिलाओं से खुलकर बात करें।

मिनी हाउस पार्टी

वुमेन्स डे पुराने दोस्तों से मिलने का भी अच्छा बहाना है। ऐसे में आप अपने करीबी दोस्तों को घर में इवाइट करके हाउस पार्टी कर सकते हैं। खाना-पीना, गपशप, डांस, गेम्स आपके इस दिन को खास बनाने के लिए काफी है।

यादगार गिफ्ट्स

गिफ्ट्स सिर्फ खानापूर्ति करने के लिए नहीं बल्कि यादें संजोने के लिए दें, जिससे लेने वाला भी खुश हो जाए और देने वाले को भी हैप्पी फीलिंग आए। आप हेल्दी गिफ्ट्स ऑप्शन्स के तौर पर ग्रीन टी पैकेट्स, बॉडी वाइप्स, जिम बैग, वॉटर बॉटल, योगा मैट आदि दे सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में उल्टी और मतली कर रही है परेशान, विटामिन बी6 बन सकता है दवा

प्रेग्नेंसी में होने वाली कुछ परेशानियों को विटामिन लेकर दूर किया जा सकता है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह विटामिन बी6 मॉर्निंग सिकनेस से लड़ता है। गर्भावस्था में महिलाओं को मतली और उल्टी की समस्या बहुत होती है। प्रेग्नेंसी में होने वाली मतली और उल्टी को मॉर्निंग सिकनेस कहा जाता है। मॉर्निंग सिकनेस महिलाओं को बहुत परेशान करती है।

कहा जाता है कि विटामिन बी6 मॉर्निंग सिकनेस से राहत दिलाने में मदद करता है। अगर आप भी प्रेग्नेंसी में मॉर्निंग सिकनेस से परेशान हो रही हैं तो जान लीजिए कि विटामिन बी6 किस तरह आपको इस परेशानी से बचा सकता है।

मॉर्निंग सिकनेस के लिए विटामिन बी-6

मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को दूर करने के लिए विटामिन बी6 दिया जाता है। डॉक्टर की सलाह से अपने आहार में विटामिन बी6 शामिल करें। हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि विटामिन बी6 सप्लीमेंट लेने से मॉर्निंग सिकनेस पूरी तरह से ठीक नहीं होती है। इससे मतली दूर हो सकती है और हो सकता है कि उल्टी भी कम आए।

विटामिन बी6 कैसे दूर करता है मॉर्निंग सिकनेस

मॉर्निंग सिकनेस को दूर करने के लिए महिलाओं को विटामिन बी6 की अधिक खुराक दी जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान इसकी खुराक कई चीजों पर निर्भर करती है।

आमतौर पर गर्भवती महिला को दिन में तीन बार 10 से 25 मिलीग्राम विटामिन बी6 की खुराक दी जाती है। इतनी खुराक से मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को दूर करने में मदद मिल सकती है। अगर आपको इससे आराम नहीं मिल पा रहा है, तो डॉक्टर से बात किए बिना इसकी खुराक ना बढ़ाएं।

विटामिन बी6 के नुकसान

प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन बी6 लेने से नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण मौजूद नहीं है। मॉर्निंग सिकनेस के लिए विटामिन बी6 मां और शिशु दोनों के लिए ही फायदेमंद होता है। ये तो थी विटामनि बी6 से मॉर्निंग सिकनेस का इलाज करने की बात, अब हम आपको बताते हैं कि किस तरह घरेलू नुस्खों से इस परेशानी को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मॉर्निंग सिकनेस दूर करने के घरेलू उपाय

मॉर्निंग सिकनेस का इलाज करने में घरेलू नुस्खे भी बहुत फायदेमंद होते हैं। कुछ घरेलू तरीके इस प्रकार हैं :-

एक चम्मच अदरक के रस से मॉर्निंग सिकनेस से राहत मिल सकती है। अदरक के रस में उत्तेजक गुण होते हैं जो पेट को राहत प्रदान करते हैं। आप अदरक की चाय या कैंडी भी खा सकती हैं।

पुदीने की पत्तियां भी मतली से राहत दिला सकती हैं। इसका स्वाद ताजगी और ठंडक देता है। अगर आपको सीने में जलन की परेशानी है तो इसका इस्तेमाल ना करें। आप पुदीने की चाय भी पी सकती हैं।

नींबू के जूस में एक चुटकी काला नमक डालकर पीने से मॉर्निंग सिकनेस से आराम मिलता है। इसका खट्टा स्वाद मतली को दूर करने में मदद करता है।

नारियल पानी में कई तरह के विटामिन, खनिज पदार्थ और फाइबर होते हैं। एक कप नारियल पानी में एक चम्मच नींबू का रस डालकर पीने से मॉर्निंग सिकनेस दूर होती है। आप कब्ज, सीने में जलन और मॉर्निंग सिकनेस से राहत पाने के लिए नारियल तेल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

नौंवे महीने में ये संकेत मिल रहे हैं, तो समझ लें फट गई है पानी की थैली

प्रेग्नेंसी के नौंवे महीने में डिलीवरी डेट के आसपास किसी भी समय पानी की थैली फट सकती है। यह लेबर पेन शुरू होने का सबसे पहला और स्पष्ट संकेत होता है। कई बार अचानक से पानी की थैली फट जाती है और महिलाओं को आपातकालीन स्थिति में अस्पताल ले जाया जाता है। हालांकि, पानी की थैली फटने से पहले कुछ संकेत मिलते हैं। अगर इन संकेतों को पहले ही पहचान लिया जाए तो शायद पानी की थैली फटने पर तुरंत मेडिकल सहायता ली जा सकती है।

म्यूकस प्लग निकलना

डिलीवरी पास होने पर गर्भाशय ग्रीवा को ढकने वाला म्यूकस प्लग निकल सकता है। यह संकेत है कि शरीर लेबर के लिए खुद को तैयार कर रहा है। कभी-कभी म्यूकस प्लग निकलने पर पानी की थैली उसके बाद ही फट जाती है। लेकिन कभी सिर्फ म्यूकस प्लग ही निकलता है और उसके तुरंत बाद थैली नहीं फटती है। अगर म्यूकस प्लग निकल रहा है, तो इसे पानी की थैली फटने का संकेत समझें।

इंफेक्शन

कई बार योनि, गर्भाशय ग्रीवा, किडनी या ब्लैडर में इंफेक्शन की वजह से पानी की थैली फट सकती है। हालांकि, यह मां और बच्चे दोनों के लिए हानिकारक हो सकता है। अगर आपको बुखार, फ्लू के लक्षण, कमर दर्द या अन्य कोई लक्षण दिख रहा है तो डॉक्टर को इस बारे में बताएं। हो सकता है कि किसी इंफेक्शन की वजह से आपको ऐसे लक्षण दिख रहे हों जिससे आपकी पानी की थैली फट जाए।

बार-बार टॉयलेट जाना

लेबर पेन शुरू होने से पहले शरीर प्रोस्टाग्लैंडिन हार्मोन रिलीज करता है जिससे प्रसव में मदद मिलती है। इस हार्मोन से मल त्याग की क्रिया उत्तेजित होती है और आपको बार-बार बाथरूम जाने की जरूरत पड़ती है। यह संकेत है कि अब जल्द ही आपको प्रसव पीड़ा शुरू होने वाली है और आपकी पानी की थैली कभी भी फट सकती है।

ऐंठन और डिस्चार्ज

पेट में आपको टाइट महसूस हो सकता है जैसा कि पीरियड्स के समय होता है। ये ऐंठन पानी की थैली फटने का पूर्व संकेत हो सकती है। ऐसा महसूस होने पर खुद को तैयार कर लें।

गर्भावस्था के दौरान वजाइनल डिस्चार्ज की दिक्कत बहुत बढ़ जाती है जो कि सामान्य बात है लेकिन अगर आपको साफ डिस्चार्ज आ रहा है तो यह सर्विकल म्यूकस हो सकता है। अत्यधिक वजाइनल डिस्चार्ज पानी की थैली फटने का संकेत होता है।

प्रदर्शनकारियों ने व्यावसायिक गतिविधियां और रास्ते रोके

पाक मछुआरों की रोजी-रोटी निगल रहा चीन, 6 दिन से ग्वादर शहर जाम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित तटीय शहर ग्वादर में हजारों प्रदर्शनकारी सोमवार को छठे दिन भी मुख्य व्यावसायिक मार्गों को ब्लॉक किए हुए हैं। विरोध में शामिल ज्यादातर स्थानीय मुछआरे हैं, जो क्षेत्र में चीनी दखल के शिकार हैं। उनका कहना है कि चीन के बड़े-बड़े जहाज तटों से सारी मछलियां निकाल लेते हैं। इससे उनकी आमदनी प्रभावित हुई है। ग्वादर में चीनी प्रोजेक्ट के चलते जगह-जगह चेकपोस्ट बने हैं। यहां स्थानीय लोगों को रोककर पहचान पत्र मांगा जाता है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जमात-ए-इस्लामी महासचिव मौलाना हिदायत उर रहमान बलोच ने दैनिक भास्कर को कहा कि ये आंदोलन सत्ता के अन्याय के खिलाफ खड़ा है। हमने सरकार के आश्वासन पर काफी लंबा इंतजार किया, लेकिन किसी ने हमारी मांगे नहीं सुनी। हम मांगें पूरी होने तक नहीं हटेंगे।

स्थानीय लोगों को अपनी ही जमीन पर आने-जाने में परेशानी

उन्होंने कहा कि वे कहते हैं कि अत्याधिक चेकपोस्ट की वजह से स्थानीय लोगों को अपनी ही जमीन पर आने जाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। हम तलाशी के नाम पर अपनी मां और बहनों के साथ होने वाले अपमान को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम अपने विदेशी मेहमानों (चीनी श्रमिकों) के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल का सम्मान करते हैं, लेकिन हम उन नियमों के खिलाफ हैं जो हमारे युवाओं को खेल के मैदानों में भी जाने की अनुमति नहीं देते। हमारे जलक्षेत्र में चीनी ट्रॉलरों ने स्थानीय मछुआरों की रीढ़ को तोड़ दिया है।' समुद्र में 'चीनी ट्रॉलर' की मौजूदगी समुद्री जीवन के नरसंहार के समान है। ग्वादर की 90 फीसदी आबादी मछली के बिजनेस पर जिंदा है। आंदोलनकारियों का कहना है कि चीनी ट्रालर न केवल मछली पकड़ते हैं, बल्कि मछली की प्रजनन प्रजातियों को भी मिटा दे रहे हैं। जमात ए इस्लामी के एक अन्य नेता अमीरुल अजीम ने कहा कि संगठन 28 नवंबर को इस्लामाबाद में धरना देगा।

मांगों की अनदेखी हुई तो नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहें

अगर सरकार प्रदर्शनकारियों की मांगों की अनदेखी करती है को वो इसके नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहे। ग्वादर बंदरगाह को चीनी प्रोजेक्ट सीपीईसी के ताज के तौर पर पेश किया जाता रहा है। लेकिन चीनी श्रमिकों की मौजूदगी की वजह से पूरा इलाका छावनी में तब्दील हो गया है। यह अरब सागर पर बलूचिस्तान में पाकिस्तान के दक्षिणी ग्वादर बंदरगाह को चीन के पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र से जोड़ेगा। इसमें चीन और मध्य पूर्व के बीच संपर्क में सुधार के लिए सड़क, रेल और तेल पाइपलाइन लिंक बनाने की योजना है। हालांकि यह प्रोजेक्ट यह काफी धीमी गति से बढ़ रहा है। सरकार का दावा है कि यह प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद यहां रोजगार पैदा होंगे। इससे इलाके के 2.65 लाख आबादी के जीवन स्तर में सुधार होगा।

हम कफन बांध कर आए हैं, मांगें नहीं मानी गईं तो जान दे देंगे

मछुआरा अधिकार आंदोलन के नेता केडी काजू ने कहा कि मछली पकड़ना हमारा पुश्तैनी कारोबार है। चीन निवेश के नाम पर हमारा धंधा खत्म कर रहा है। हम कफन बांधकर आए हैं। सरकार ने हमारी मांगों को पूरा नहीं किया तो हम जान दे देंगे।

कबाइली नेता समेत 6 की गोली मार कर हत्या

बलूचिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों ने अलग-अलग वारदातों में कबाइली नेता समेत 6 लोगों की गोली मार कर हत्या कर दी। वली खान बाइपास में बंदूकधारियों ने फायरिंग कर कार सवार कबाइली नेता व उनके 2 सहयोगियों की हत्या कर दी। हरनाई जिले में 3 श्रमिकों की फायरिंग कर हत्या कर दी। उल्लेखनीय है कि बलूचिस्तान में आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ऐसी वारदातों में लिप्त रहा है।

चीन-पाक कॉरिडोर के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

कहा- पहले बुनियादी जरूरतें पूरी करे इमरान सरकार

चीन ने 6 अरब डॉलर का लोन रोका

पाकिस्तान से लोन गारंटी मांगी

IMF ने भी अब तक कर्ज नहीं दिया

चीन को डर कि कर्ज डूब जाएगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग

चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर पर इमरान खान सरकार की मुश्किलों मे फिर इजाफा हो गया है। कई महीनों से इस प्रोजेक्ट पर काम बंद है। इमरान सरकार चीन को मनाकर इसे शुरू कराना चाहती है, लेकिन काम शुरू होता इसके पहले ही विरोध शुरू हो गया है। बलूचिस्तान के ग्वादर में कई दिनों से CPEC के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं। यहां के लोगों की मांग है कि CPEC पर कोई भी काम शुरू करने से पहले बुनियादी सुविधाएं दी जाएं। खास बात यह है कि सरकार ने अब तक इस पर कोई बयान नहीं दिया है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बलूचिस्तान के ग्वादर में कई तबकों के लोग सरकार विरोधी रैलियों में शामिल हो रहे हैं। इनमें पॉलिटिकल पार्टीज, सिविल राइट्स एक्टिविस्ट्स, मछुआरे और आम लोग शामिल हैं। इन्होंने कई मांगें सरकार के सामने रखी हैं। खास बात यह है कि ये सभी बुनियादी जरूरतों से संबंधित हैं। इनमें गैरजरूरी चेक पॉइंट्स हटाना, पीने का पानी और बिजली मुहैया कराना, मछली पकड़ने के बड़े ट्रॉलर हटाना और ईरान बॉर्डर खोलना शामिल है। 'ग्वादर मूवमेंट' के नेता मौलाना हिदायत उर रहमान सरकार विरोधी प्रदर्शनों की अगुआई कर रहे हैं। उन्होंने कहा- हमें लंबे वक्त से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार इस बारे में कोई भरोसा तक दिलाने को तैयार नहीं है। ग्वादर CPEC का सबसे अहम हिस्सा है। इससे अगर पूरे देश को फायदा मिलना है तो फिर हमें इसका फायदा क्यों नहीं मिल रहा है। ग्वादर के इलाके में चीन के बड़े-बड़े और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी वाले ट्रॉले मछली पकड़ रहे हैं। स्थानीय मछुआरों की रोजी-रोजी इससे खतरे में पड़ गई है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कानपुर में बाबा नामदेव गुरुद्वारा में पूजा-अर्चना की।

घर वापसी की हसरत:15 की उम्र में आईएस में शामिल हुईं शमीमा बेगम बोलीं- मुझ पर ब्रिटेन में केस चलाएं, मैं सिर्फ सीरिया जाने की गुनहगार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में शामिल होना बांग्लादेशी मूल की ब्रिटिश युवती शमीमा बेगम को अब भारी पड़ रहा है। ब्रिटेन ने उनके देश लौटने पर रोक लगा दी है। कानूनी वजहों से वो बांग्लादेश नहीं लौट सकतीं। फिलहाल, सीरिया में एक रिफ्यूजी कैम्प में रह रही हैं। अब शमीमा ने एक बार फिर ब्रिटेन की बोरिस जॉनसन सरकार से गुहार लगाई है कि उन्हें ब्रिटेन लौटने दिया जाए। शमीमा ने कहा- ब्रिटेन सरकार मुझ पर केस चला सकती है। मैंने सिर्फ एक गुनाह किया है। और वो ये कि मैं किसी को बिना बताए सीरिया गई। ब्रिटेन सरकार साफ कर चुकी है कि शमीमा के मुल्क वापसी के तमाम दरवाजे बंद हो चुके हैं। इसके बाद से वो लगातार ब्रिटेन सरकार से गुहार लगा रही हैं कि उन्हें मुल्क लौटने दिया जाए और कानून के मुताबिक, जो भी सजा हो वो दी जाए। शमीमा ने रविवार को 'स्काय न्यूज' को इंटरव्यू दिया। इसमें कई सवालों के जवाब दिए और एक बार फिर यही गुहार लगाई कि उन्हें ब्रिटेन लौटने दिया जाए। एक सवाल के जवाब में शमीमा ने कहा- ब्रिटिश सरकार ने मेरी नागरिकता छीन ली है। मैं अब कहीं नहीं जा सकती।

न्यूज ब्रीफ

स्वच्छ हवा की खातिर:ब्रिटेन की सभी नई बिल्डिंग्स में इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग पॉइंट जरूरी होगा

लंदन। जलवायु परिवर्तन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए ब्रिटेन ने बड़ा कदम उठाया है। अब ब्रिटेन में बनने वाली हर नई बिल्डिंग में इलेक्ट्रिक कार के लिए चार्जिंग पॉइंट बनाना अनिवार्य होगा। सुपर मार्केट, वर्क प्लेसेस और बिल्डिंग रेनोवेशन के समय इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग पॉइंट बनाना जरूरी होगा। ऐसे में ब्रिटेन में हर साल करीब 1.45 लाख नए चार्जिंग पॉइंट बनाए जाएंगे। साथ ही देश में 2030 तक पेट्रोल और डीजल की नई कारों की बिक्री पर भी पूरी तरह से रोक लग जाएगी। ब्रिटेन के इस कदम को इलेक्ट्रिक कार क्रांति की ओर एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार ने इसके लए 1500 करोड़ रुपए का एक प्लान भी तैयार किया है। इसके तहत छोटे उद्यमियों को पर्यावरण अनुकूल नवाचार तकनीक बनाने के प्रोत्साहित किया जाएगा। जलवायु परिवर्तन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए नई तकनीक को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ब्रिटेन में कोरोनाकाल के बाद दफ्तरों को लौट रहे लोगों से अपील की जा रही है कि वे प्राइवेट गाड़ियों की बजाए सार्वजनिक परिवहन के साधनों का इस्तेमाल करें। जिससे वायु प्रदूषण में कमी आए।

ब्रिटेन में सबसे ज्यादा ढाई लाख चार्जिंग पाइंट:- ब्रिटेन में यूरोप के सबसे ज्सादा लगभग ढाई लाख इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग पॉइंट हैं। लेकिन देश में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की तुलना में ये काफी कम पड़ रहे हैं। ईवी ड्राइवर एप जैप-मैप के अनुसार ब्रिटेन में वर्तमान में लगभग 26 हजार चार्जिंग पॉइंट खराब हैं। साथ ही लगभग 10 फीसदी चार्जिंग पॉइंट को लंबी दूरी तक की कार चार्जिंग के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। जैप-मैप के संस्थापक मेलाइन शफलबॉथम के अनुसार चार्जिंग पॉइंट के मसले का जल्द हल निकालना चाहिए।

श्रीनगर में डल झील के किनारे एक ठंडी और धुंधली सुबह के दौरान एक मछुआरा खुद को गर्म करने के लिए कांगड़ी (हॉटपॉट) तैयार करता है क्योंकि उसका साथी हबल बबल (हुका) धूम्रपान करता है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -2.3 दर्ज किया गया, क्योंकि लोग कड़ाके की ठंड के लंबे दौर के लिए तैयार हैं।

समाज के बेतुके मानकों का विरोध, दक्षिण कोरिया में रोलर्स लगाकर घूम रहीं लड़कियां

तर्क- घुंघराले बाल पर हमें असभ्य समझना मंजूर नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज सियोल

कुछ दिन पहले दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल की एक मेट्रो के कोच में सात लड़कियां सफर कर रही थीं। बाकी यात्रियों की तरह भी उन्होंने जैकेट और विंड ब्रेकर्स पहन रखे थे पर एक एक्ससेरी उन्हें सबसे अलग कर रही थी, वह थे उनके बालों में लगे कर्लर (रोलर)। पुराने जमाने की मानी जाने वाली ये एक्सेसरी इन दिनों सियोल और देश के सभी बड़े शहरों की लड़कियां कैफे, रेस्तरां, मेट्रो और तकरीबन सभी तरह के सार्वजनिक स्थानों पर पहने दिखाई दे रही हैं। 23 साल की कॉलेज छात्रा जंग यू वॉन रोजाना कर्लर का इस्तेमाल करती हैं। वे बताती हैं क्लास, किसी कार्यक्रम या मीटिंग में जाने से पहले परफेक्ट कर्ल बनाए रखने के लिए वे ऐसा करती हैं। पर उनकी मां उन्हें रोकती हैं, उन्हें डर है कि दूसरों को यह गलत लगेगा। वॉन कहती है कि हम दूसरों की चिंता क्यों करें। कोई हमें बालों की स्टाइल पर जज करे, यह हमें मंजूर नहीं। बकौल वॉन हमें सिर्फ उनकी परवाह करनी चाहिए, हम जिनके सामने अच्छा दिखना चाहते हैं। दरअसल कोरिया में घुंघराले बाल रखना असभ्यता माना जाता रहा है। इसलिए बाल सीधे रखने पर जोर रहा है। पर युवा पीढ़ी इस सामाजिक सख्ती को मानने को तैयार नहीं है। उन्हें इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि लोग क्या सोचते हैं। वे बस आजाद रहना चाहते हैं।

बुजुर्ग महिलाएं और हस्तियां भी महिलाओं को छूट देने का समर्थन कर रहीं

54 साल की किम जी-इन और उन जैसी कई महिलाएं इसे सुखद बदलाव के हिस्से के रूप में देखती हैं। वे मानती हैं कि महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर सुंदरता और जेंडर संबंधी अपेक्षाओं का पालन किए बिना मन मुताबिक रहने की छूट दी जानी चाहिए। इन कहती हैं कि उनके समय में कर्लर्स या रोलर लेकर बाहर जाना अकल्पनीय था। दक्षिण कोरिया की कई हस्तियां भी इस ट्रेंड के समर्थन में सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कर रही हैं।

दुनिया में फिर जंग की आहट : US इंटेलिजेंस ने कहा-

जल्द ही यूक्रेन पर हमला कर सकता है रूस, उसके सैनिक और हथियार तैयार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

रूस और यूक्रेन की तनातनी में जल्द ही हिंसक मोड़ आने की आशंका है। अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस जल्द ही यूक्रेन पर हमला कर सकता है और उसने इसके लिए बड़े स्तर पर तैयारी कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी सेना अलग-अलग लोकेशन्स से यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकती है। अमेरिका से यह रिपोर्ट हाल के महीनों मे दूसरी बार आई है। इसके पहले आई रिपोर्ट को रूस ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि अमेरिका उसके खिलाफ गलत बयानबाजी कर रहा है।

नाटो देशों को आगाह किया

अमेरिकी इंटेलिजेंस इनपुट के बारे में ब्लूमबर्ग ने एक रिपोर्ट पब्लिश की है। इसके मुताबिक- अमेरिका ने अपने नाटो सहयोगियों को खुफिया सूचना के साथ कुछ नक्शे भी मुहैया कराए हैं। इनसे पता लगता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के इरादे यूक्रेन पर हमला करने के हैं। माना जा रहा है कि पुतिन अगले साल सैन्य कार्रवाई के आदेश दे सकते हैं। इंटेलिजेंस रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन चाहते हैं कि यूक्रेन पर अलग-अलग लोकेशन्स से हमला किया जाए। इसके लिए करीब 100 सैन्य टुकड़ियों को तैयार रहने को कहा गया है। माना जा रहा है कि यह बटालियन्स क्रीमिया, रूस और बेलारूस के रास्ते हमला कर सकती हैं। इसके लिए करीब एक लाख सैनिकों को तैयार रहने को कहा गया है। टुकड़ियों से कहा गया है कि वो यूक्रेन के बर्फीले हालात का सामना करने के लिए तैयार रहें।

पुतिन का इनकार

पिछले हफ्ते रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने एक इंटरव्यू में इस बात से साफ इनकार किया था कि रूसी फौज यूक्रेन पर कब्जे के लिए रणनीति बना रही है। इसके साथ ही पुतिन ने अमेरिका और उसके सहयोगियों को चेतावनी दी थी कि वो रूस को सख्त कदम उठाने पर मजबूर न करें। हालांकि, अब तक कोई भी यह अंदाजा लगाने में कामयाब नहीं हो सका है कि पुतिन के जेहन में आखिर चल क्या रहा है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था- रूस की मिलिट्री एक्टिविटीज को लेकर हमें शंका है, लेकिन, फिलहाल हम यह नहीं कह सकते कि पुतिन के इरादे क्या हैं। पुरानी बातों के आधार पर यह अनुमान जरूर लगाया जा सकता है कि रूस कोई खतरनाक कदम उठा सकता है।

राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद पटना में चारा घोटाला मामले में सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुए।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तानी कप्तान अब्दुल बोले- अपनी हॉकी से पूरी दुनिया को हैरान कर देंगे

भुवनेश्वर। पाकिस्तान जूनियर हॉकी टीम के कप्तान अब्दुल राणा ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम आगामी विश्व कप में अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को हैरान कर देगी। तीन बार के ओलंपिक चैम्पियन पाकिस्तान की सीनियर टीम 2016 और 2021 खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। जूनियर टीम अब भारत में जूनियर विश्व कप खेलने आई है जो बुधवार से भुवनेश्वर में खेला जाएगा। अब्दुल ने कहा कि हमारी सरकार और महासंघ के सीनियर अधिकारी काफी प्रयास कर रहे हैं। हमें यकीन है कि अगले एक दो साल में पाकिस्तानी हॉकी बेहतर होगी। इस टूर्नामेंट में भी हमारी टीम अच्छा खेलेगी। आप पाकिस्तान हॉकी में बदलाव देखेंगे। टीम एक ईकाई की तरह खेल रही है और परिवार का माहौल है। मुझे यकीन है कि पाकिस्तान अपनी हॉकी से पूरी दुनिया को हैरान कर देगा। कोच दानिश कलीम ने भी उनके सुर में सुर मिलाया लेकिन कहा कि रोजगार के अभाव से पाकिस्तान में हॉकी का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हॉकी के पतन के कई कारण है लेकिन मैं इतना कह सकता हूं कि सीनियर और जूनियर टीमों की तैयारी शुरू हो चुकी है। शीर्ष अधिकारी काफी पेशेवर है जो टीम को तैयार कर रहे हैं और अगले तीन साल में बेहतर नतीजे आने लगेंगे । विभाग में उतनी नौकरियां नहीं है जिससे युवा हॉकी खेलने से कतराते हैं। यह भी हॉकी के पतन का एक कारण है लेकिन हमारी सरकार इस तरफ प्रयास कर रही है।

पेंग शुआई के साथ आईओसी के इंटरव्यू के बाद अब और उठने लगे सवाल

बीजिंग। लगभग तीन सप्ताह से दुनिया की नजरों से दूर चीन की टेनिस खिलाड़ी पेंग शुआई अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक के साथ एक वीडियो कॉल में नजर आई हैं। आईओसी और चीनी सरकार चाहती है कि इसके साथ ही पेंग के लापता होने के विवाद का अंत हो जाए जो दो नवंबर से जारी है। पेंग ने पूर्व उप प्रधानमंत्री झांग गाओली पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। आईओसी और चीन इस विवाद को खत्म करना चाहते है लेकिन बाक के द्वारा किये गए इस साक्षात्कार से काफी कम जानकारी निकल कर सामने आयी और पेंग के आरोपों से संबंधित सवाल भी नहीं पूछे गए। महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) के अध्यक्ष और सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) स्टीव साइमन के इस साक्षात्कार से संतुष्ट होने की संभावना नहीं के बराबर है। वह इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे है। उन्होंने इस मामले में सही कदम नहीं उठाने पर देश से सभी शीर्ष स्तरीय डब्ल्यूटीए आयोजनों को वापस लेने की धमकी दी है। रविवार को आईओसी की ओर से वीडियो जारी होने के बाद डब्ल्यूटीए ने एक बार फिर से साइमन की बातों को दोहराते हुए कहा कि इस मामले की 'बिना सेंसरशिप के' पूर्ण निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए।

निधन के सालभर बाद मैराडोना पर आरोप : क्यूबा की महिला बोली-

मैराडोना ने 2001 में रेप और मारपीट की, कोकीन का आदी बना दिया था

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज क्यूबा

फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शुमार डिएगो मैराडोना की मृत्यु के एक साल बाद क्यूबा की एक महिला ने उन पर रेप का आरोप लगाया है। अर्जेंटीना के मशहूर फुटबॉलर रहे मैराडोना का 60 साल की उम्र में कार्डिएक अरेस्ट के कारण पिछले साल निधन हो गया था। क्यूबा की 37 साल की विस अल्वारेज रेगो ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मैरोडोना पर रेप और उनकी टीम के साथियों पर मारपीट का आरोप लगाया है। अल्वारेज रेगो अभी मियामी में रहती हैं। उनके दो बच्चे हैं। एक 15 साल का और दूसरा चार साल का है। उन्होंने सोमवार को मीडिया को बताया कि 20 साल पहले मैराडोना से उनके संबंध थे, जो 4-5 साल तक रहे। उन्होंने बताया कि जब वह उनसे मिली थीं तब वह नाबालिग थीं। वह पहली बार 16 साल की उम्र में क्यूबा में मैराडोना से मिली थी। उस समय मैराडोना 40 साल के थे और वह क्यूबा में ड्रग का उपचार करवा रहे थे।

जब 15 साल की थी, तब मैराडोना ने मेरा बलात्कार किया। मेरा बचपन छीन लिया।

मैविस अल्वारेज (पीड़िता)

रेगो ने कोकीन में धकलने का आरोप लगाया:- रेगो ने कहा कि वह मैराडोना की ख्याति से ज्यादा प्रभावित हो गईं और उनके झांसे में आ गईं। दो महीने बाद ही चीजें बदलने लगीं। रेगो ने उन पर आरोप लगाते हुए कहा, मैराडोना ने मुझे जबर्दस्ती कोकीन की ओर धकेल दिया और उसका आदी बना दिया। मैं उससे जितना प्यार करती थी, उतना ही उससे नफरत करने लगी थी। मैने आत्महत्या के बारे में भी सोचा था।

2001 में होटल में जबरन रखा गया था:- रेगो ने दावा किया 2001 में जब वह मैराडोना के साथ ब्यूनस आयर्स की यात्रा पर थीं, बत उनके साथ उनके दल के अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की और उससे जबरन एक होटल में रखा गया। उसे अकेले बाहर जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और उन्हें ब्रेस्ट का ऑपरेशन कराने के लिए मजबूर किया गया था। रेगो ने यह भी दावा कि मैराडोना ने हवाना में उनके घर पर उनका बलात्कार किया और कई बार उसका शारीरिक शोषण किया और उनसे मारपीट भी की।

अर्जेंटीना की NGO ने दर्ज करवाई है शिकायत

रेगो ने मैराडोना के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं करवाई है। लेकिन रेगो के अमेरिकी मीडिया को दिए बयान के बाद अर्जेंटीना की NGO- फाउंडेशन फॉर पीस, ने मैराडोना और उनकी टीम पर हैरेसमेंट, स्वतंत्रता से वंचित और मान तस्करी को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। रेगो ने कहा कि वह आगे कार्यवाही नहीं करने जा रही हैं। उन्हें जो करना था, उन्होंने कर दिया। अब अदालत को करना है। उन्होंने कहा कि वह इसलिए आगे आईं, ताकि लड़कियों के अंदर हिम्मत आए और उनके साथ जो हुआ, वह अन्य के साथ न हो।

टीम इंडिया कानपुर में 38 साल से अजेय

ग्रीन पार्क में 1983 के बाद कोई टेस्ट नहीं हारा भारत, आखिरी मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड का सामना करेगी। इसी साल इंग्लैंड में खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद इस फॉर्मेट में यह दोनों टीमों के बीच पहली टेस्ट भिड़ंत होगी। उस फाइनल में भारत को हार झेलनी पड़ी थी, लिहाजा टीम इंडिया के पास हिसाब चुकता करने का मौका होगा। ग्रीन पार्क स्टेडियम में जोरदार ट्रैक रिकॉर्ड भारत के लिए सबसे बड़ा एडवांटेज होगा। हमारी टीम यहां पिछले 38 साल से कोई टेस्ट मैच नहीं हारी है।

आखिरी हार वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली थी

भारत ने ग्रीन पार्क स्टेडियम में अब तक 22 टेस्ट मैच खेले हैं। इसमें उसे 7 में जीत और 3 में हार मिली है। 12 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। टीम इंडिया को यहां आखिरी हार 1983 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली थी। उसके बाद से हमारी टीम यहां 8 टेस्ट मैच खेल चुकी है। इसमें पांच में जीत मिली और 3 मुकाबले ड्रॉ रहे।

जीत का चौका जमाने की बारी: - भारतीय टीम ग्रीन पार्क में हुए पिछले लगातार तीन मैच जीत चुकी है। इस लिहाज से टीम के पास यहां जीत का चौका जमाने का मौका होगा। 2008 में भारत ने यहां साउथ अफ्रीका को 8 विकेट से, 2009 में श्रीलंका को पारी और 144 रन से और 2016 में न्यूजीलैंड को 197 रनों से हराया था।

अश्विन ने पिछले मैच में लिए थे 10 विकेट:- न्यूजीलैंड के खिलाफ 2016 में खेले गए मुकाबले में ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने जोरदार गेंदबाजी की थी। तब उन्होंने टेस्ट में 10 विकेट लिए थे। अश्विन ने न्यूजीलैंड की पहली पारी में 93 रन देकर 4 और दूसरी पारी में 132 रन देकर 6 विकेट अपने नाम किए थे। अश्विन इस बार भी टीम में शामिल हैं और उनसे दोबारा इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

कानपुर में भारत-न्यूजीलैंड का टेस्ट रिकॉर्ड

1976 में खेला गया टेस्ट ड्रॉ रहा

1999 में भारत 8 विकेट से जीता

2016 में न्यूजीलैंड को 197 रनों से हराया

पिछली बार भी इसी तरह किया गया था स्वागत...

होटल के स्ष्ठ विकास मेहरोत्रा ने बताया कि, यह सब हमने प्रदेश के ष्टरू योगी आदित ?यनाथ से सीखा है। इसी तरह से खिलाड़ियों का स ?वागत करने से भारतीय संस्कृति अन्य देश के लोगों में फैलती है। इस बार खिलाड़ियों को सच ?ची भारतीय परंपरा का एहसास दिलाना था, लेकिन कोरोना के चलते यह मुमकिन नहीं हो पाया। पिछली बार हम लोगों ने सभी खिलाडियों को कानपुर के बिठूर तीर्थ स ?थान के इतिहास की किताब भी भेंट की थी।

पिछली बार हुई थी राजनीति...

पिछली बार भी न्यूजीलैंड के साथ ही ग्रीन पार्क में इंटरनेशनल मैच खेला गया था तब भी समाजवादी पार्टी ने भगवा गमछा पहनाने पर नाराजगी जताई थी। अब देखना यह होगा कि इस बार दिए गए भगवा गमछों का प्रदेश की सियासत पर क्या असर होता है।

क्रिकेट में छाया भगवा

कानपुर पहुंचे कीवी खिलाड़ियों का स्वागत भगवा गमछे से हुआ

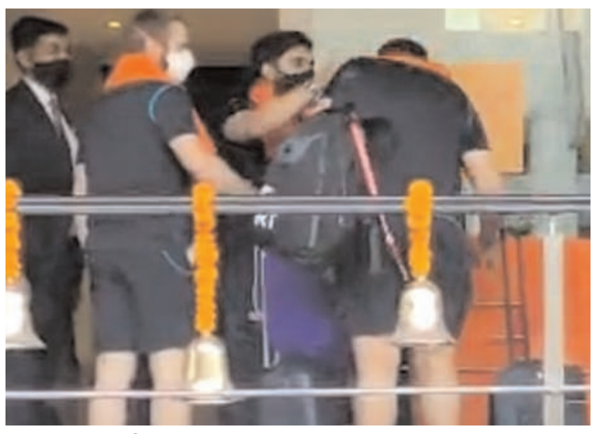

राम-राम, सीता राम भजन भी बजा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में भगवा का जादू अब इंटरनेशनल क्रिकेट मैचों में भी दिखने लगा है। इसका नजारा कानपुर के लैंडमार्क टॉवर में न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का स्वागत करते समय देखने को मिला। एयरपोर्ट से जैसे ही कीवी के खिलाड़ी होटल पहुंचे तो बैकग्राउंड में मंदिर के घंटे बज रहे थे और साथ ही %राम राम ओ सीता राम% का भजन चल रहा है। पिछली बार की तरह इस बार भी होटल प्रबंधन ने भगवा गमछा देकर खिलाड़ियों का स्वागत किया। ऐसा नजारा शहर में दूसरी बार देखने को मिला है। टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेलने के लिए टीम इंडिया और न्यूजीलैंड कानपुर पहुंची है। इसी दौरान भगवा गमछा देकर और आरती करके खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। कोलकाता से विशेष विमान से चकेरी एयरपोर्ट पहुंचे खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बस से होटल के लिए रवाना किया गया। होटल में बनाए गए सेफ पैसेज से खिलाडियों ने होटल में प्रवेश किया। होटल के गलियारे को मंदिर का लुक देने का प्रयास किया था। पूरे पैसेज को मंदिर के घंटों और भगवा रंग के फूलों से सजाया गया था।

25 नवंबर को होने वाले टेस्ट मैच के लिए इंडिया और न्यूजीलैंड की टीमें कानपुर पहुंच चुकी हैं, लेकिन टेस्ट शुरू होने से पहले ही ग्रीन पार्क स्टेडियम अपनी पिचों को लेकर सवालों में आ गया है। सोमवार को टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ और कैप्टन अजिंक्य रहाणे ने पिच को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। अब न्यूजीलैंड टीम के कोच गैरी स्टीड ने भी नाराजगी जाहिर की।

आईपीएल 2022 : ब्रावो आईपीएल में वापसी करेंगे, पर चेन्नई से खेलना तय नहीं ; क्रिस गेल की वापसी पर सस्पेंस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले ड्वेन ब्रावो आईपीएल 2022 में खेलते नजर आएंगे। इसकी पुष्टि चेन्नई सुपर किंग्स के ष्टश्वह्र काशी विश्वनाथन ने एक इंटरव्यू में की। वहीं टी-20 वर्ल्ड कप में ही संन्यास की घोषणा करने वाले पंजाब किंग्स इलेवन क्रिस गेल के खेलने पर सस्पेंस है। चेन्नई सुपर किंग्स के CEO ने बताया कि ड्वेन ब्रावो अगले साल भी आईपीएल में खेलते दिख सकते हैं। काशी विश्वनाथन ने इनसाइड स्पोर्ट्स से बातचीत के दौरान कहा,% ड्वेन ब्रावो आईपीएल 2022 में वापस आएंगे, उन्होंने सिर्फ इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा है। वह फिट हैं और खेल सकते हैं।% उन्होंने ब्रावो को रिटेन करने की बात पुष्टि नहीं की। विश्वनाथन ने कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि वह अगले साल चेन्नई के हिस्सा होंगे या नहीं। ब्रावो बेहद अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन हम नियमों के अनुसार केवल चार खिलाड़ी ही रिटेन तय कर सकते हैं। 30 नवंबर को खिलाड़ियों के नाम देने के साथ ही ही पता चलेगा कि हम किन-किन खिलाड़ियों को रिटेन कर रहे हैं।

2021 में आईपीएल में रहा शानदार प्रदर्शन

ब्रावो आईपीएल में अब तक खेले 151 मैचों में 167 विकेट ले चुके हैं। आईपीएल 2021 में उन्होंने 11 मैचों में 14 विकेट लेकिर चेन्नई को चैंपियन बनाने में बड़ा योगदान दिया था। ब्रावो की पावर हिटिंग कमाल की है और वो 2 ओवर में ही मैच का रुख पलट सकते हैं। साथ ही वह अच्छे फील्डर भी हैं। ऐसे में हर फ्रेंचाइजी उनको अपने साथ रखना चाहेगी।

गेल ने नहीं किया सूचित

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान ही संन्यास की घोषणा करने वाले क्रिस गेल ने अब तक पंजाब किंग्स इलेवन को आईपीएल में खेलने को लेकर कोई सूचना नहीं दी है। पंजाब किंग्स इलेवन के एक अधिकारी ने इनसाइड स्पोर्ट्स को बताया कि गेल ने अभी अपनी वापसी पर फैसला नहीं किया है, लेकिन उन्हें विश्वास है कि वह ऐसा करेंगे। हालांकि, उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या वह पंजाब किंग्स के साथ रहेंगे या नहीं।

आईपीएल 2022 में रिटेनशन के नियम क्या हैं?

हर टीम खिलाड़ियों की खरीद पर ज्यादा से ज्यादा 90 करोड़ खर्च कर सकेगी।

चार खिलाड़ी रिटेन करने पर प्लेयर पर्स से 42 करोड़ रुपये कट जाएंगे।

3 खिलाड़ी रिटेन करने पर ये रकम 33 करोड़ रहेगी।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

न्यूज ब्रीफ

एयरटेल की दर वृद्धि से उद्योग में बदलाव के आसार

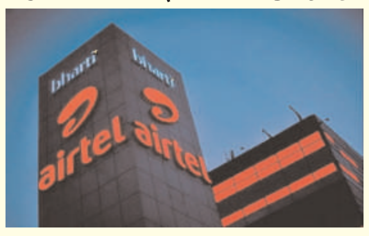

नईदिल्ली। भारती एयरटेल ने आज सभी प्रीपेड पैक में औसत 20 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा करने का ऐलान किया, जिससे करीब दो साल की अनिश्चितता के बाद उद्योग-केंद्रित कीमत वृद्धि की शुरुआत को बढ़ावा मिलने की संभावना है। इस घटनाक्रम से अवगत सूत्रों का कहना है कि विभिन्न बैठकों में सरकार ने इस कदम के लिए दूरसंचार कंपनियों को प्रोत्साहित किया था, खासकर दूरसंचार उद्योग के लिए राहत पैकेज की घोषणा किए जाने के बाद। यह माना जा रहा है कि उद्योग आधारित दर वृद्धि की जरूरत की सार्वजनिक तौर पर घोषणा कर चुकी वीआईएल और रिलायंस जियो (जिसे इस तरह के कदम को लेकर कुछ आशंकाएं थीं) भी इस इस राह पर आगे बढ़ेंगी। कुछ दूरसंचार कंपनियों का कहना है कि आपको अगले 18-24 महीनों में और दर वृद्धि के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि इससे 300 रुपये का एआरपीयू लक्ष्य है, जो ऐसा मानक है जिसे लेकर सुनील मित्तल सार्वजनिक तौर पर बात कर चुके हैं। उद्योग द्वारा पिछली बड़ी दर वृद्धि उद्योग द्वारा दिसंबर 2019 में की गई थी, और तब सभी प्रमुख कंपनियों - भारती एयरटेल, रिलायंस जियो तथा वोडाफोन आइडिया ने 20-25 प्रतिशत तक की दर वृद्धि की थी। विश्लेषकों के अनुसार, कंपनी का करीब 80 प्रतिशत राजस्व प्रीपेड से आता है, और इस दर वृद्धि से एयरटेल का एआरपीयू वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में करीब 185 रुपये बढ़ेगा। अतिरिक्त दर वृद्धि से कंपनी का एबिटा 7,000 करोड़ रुपये (एबिटा में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि) तक बढने् में मदद मिलेगी। वीआईएल के मामले में, समान वृद्धि से उसका एआरपीयू बढ़कर 127 रुपये (18 रुपये की वृद्धि) हो जाएगा।

169 फीसदी का फायदा : 530 रुपए पर लिस्ट हुआ लेटेंट व्यू का शेयर, 7.27 फीसदी गिरावट के साथ 491 पर पहुंचा स्टॉक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय बाजार के इतिहास में अब तक सबसे ज्यादा सब्सक्राइब होने वाले लेटेंट व्यू के शेयर्स की आज लिस्टिंग हो गई। यह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 169 फीसदी के प्रीमियम के साथ 530 रुपए पर लिस्ट हुआ। यानी निवेशकों को इश्यू प्राइस की तुलना में इतना फायदा हुआ है। हालांकि बाजार की गिरावट का असर शेयर पर दिखा। यह पहले ही मिनट में 7.27 फीसदी गिरावट के साथ 491 पर पहुंच गया। हालांकि यह एक बार 462 रुपए तक चला गया था।

360 रुपए का प्रीमियम चल रहा था

लेटेंट व्यू का भाव ग्रे मार्केट में 360 से 370 रुपए प्रीमियम पर चल रहा था। 190 से 197 रुपए के भाव पर इसने आईपीओ लाया था। हालांकि बाजार की कल बड़ी गिरावट ने सारे माहौल खराब कर दिए हैं। इस गिरावट से आने वाले कई आईपीओ टल गए हैं। क्योंकि उनका वैल्यूएशन कम हो गया है। साथ ही सब्सक्रिप्शन में उनको कम रिस्पांस मिल सकता है। मोबिक्विक अपने इश्यू को आगे टाल रही है। पेटीएम के शेयर्स की लगातार पिटाई ने आईपीओ बाजार को पूरी तरह से खराब कर दिया है। दो दिनों में पेटीएम के शेयर्स में 39 फीसदी की गिरावट आई है।

पारस डिफेंस ने 3.59 गुना का फायदा दिया | न्यूरेका ने 3.3 गुना का फायदा दिया | लक्ष्मी ऑर्गेनिक ने 2.34 गुना का फायदा दिया

इजी ट्रिप के शेयर ने 1.84 गुना का रिटर्न दिया

326 गुना रिस्पांस मिला था

लेटेंट व्यू के इश्यू को 326 गुना रिस्पांस मिला था। आईपीओ 12 नवंबर को बंद हुआ था। इसमें नॉन इंस्टीट्यूशनल का हिस्सा 850 गुना भरा। जबकि रिटेल का हिस्सा 119 गुना भरा। रिटेल के सब्सक्रिप्शन में भी इसने इतिहास रच दिया है। इससे पहले पारस डिफेंस में रिटेल निवेशकों का हिस्सा 112 गुना भरा था।

10 नवंबर को खुला था इश्यू

लेटेंट व्यू का इश्यू 10 नवंबर को खुला था। कम से कम 76 शेयर्स के लिए अप्लाई करना था। कंपनी बाजार से 600 करोड़ रुपए जुटाने के लिए उतरी थी। यह कंपनी 2006 में बनी थी और एनालिटिक्स सेवाओं जैसे डाटा और एनालिटिक्स कंसल्टिंग, बिजनेस एनालिटिक्स आदि का काम करती है। कंपनी की मौजूदगी अमेरिका, यूरोप, एशिया और अन्य देशों में है। फॉर्च्यून 500 में से 30 कंपनियों के साथ काम करती है।

पहली बार 2 कंपनियों को 300 गुना से ज्यादा रिस्पांस

यह पहली बार है जब दो कंपनियों के इश्यू को 300 गुना से ज्यादा रिस्पांस मिला है। पारस डिफेंस ने सबसे पहले 300 गुना का आंकड़ा पार किया था। इससे पहले 5 कंपनियों को 200 गुना से ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला था। इसमें सालासर टेक को 2017 में 273 गुना जबकि एस्ट्रॉन पेपर को 2017 में ही 241 गुना का रिस्पांस मिला था। 2018 में अपोलो माइक्रो को 248 गुना का रिस्पांस मिला था। 2021 में एमटीएआर को 200 गुना, मिसेज बैक्टर्स को 198 गुना का सब्सक्रिप्शन मिला था।

गो फैशन का भी भाव प्रीमियम पर

उधर, गो फैशन के इश्यू का ग्रे मार्केट में भाव प्रति शेयर प्रीमियम 550 से 560 रुपए पर चल रहा है। यह इश्यू सोमवार को बंद हुआ है। इसे 135 गुना का रिस्पांस मिला है। इसमें रिटेल निवेशकों ने अपने हिस्से का 50 गुना ज्यादा पैसा लगाया है। इसकी लिस्टिंग 30 नवंबर को स्टॉक एक्सचेंज पर होगी। शेयर्स का अलॉटमेंट 29 नवंबर को होगा। यह बाजार से 1,013 करोड़ रुपए जुटाने के लिए उतरी थी और इश्यू में भाव 655 से 690 रुपए तय किया गया था।

टार्जन का इश्यू 77 गुना भरा

इसी तरह टार्जन प्रोडक्ट का इश्यू 77 गुना भरा था। इसमें रिटेल का हिस्सा 10.56 गुना भरा था। 17 नवंबर को बंद हुए इस कंपनी के शेयर्स की लिस्टिंग 26 नवंबर को होगी जबकि शेयर्स का अलॉटमेंट 25 नवंबर को होगा। इसने 635 से 662 रुपए के भाव पर आईपीओ लाया था। कंपनी 1,023 करोड़ रुपए बाजार से जुटाने के लिए उतरी थी।

ग्राहकों ने छोड़ा साथ:जियो से 1.9 करोड़ और Vi से 10 लाख यूजर्स अलग हुए, लेकिन अब भी जियो नंबर-1 कंपनी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया की सितंबर की रिपोर्ट में देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो को बड़ा नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में जियो से 19 मिलियन (1.9 करोड़) ग्राहक अलग हो गए। हालांकि, इन ग्राहकों के घटने के बाद भी जियो देश की नंबर वन कंपनी बनी हुई है। इसी महीने वीआई इंडिया (वोडाफोन आइडिया) से भी 10.77 लाख यूजर्स

अलग हो गए। एक तरफ जहां जियो और वीआई से ग्राहक अलग हुए, तो इसका फायदा भारती एयरटेल को मिला। सितंबर में एयरटेल से 2.74 लाख ग्राहक जुड़े। रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में एयरटेल के ग्राहकों की संख्या बढ़कर 35.44 करोड़ हो गई, जो अगस्त में 35.41 करोड़ थी।

जियो को रेवेन्यू प्रति यूजर बढ़ा

सितंबर में जियो ने भले ही ग्राहक खोए, लेकिन उसका एवरेज रेवेन्यू प्रति यूजर बढ़ा है। जून तिमाही में जियो का ARPU 138 रुपए था, जो अब 144 रुपए हो गया है। एयरटेल के सब्सक्राइबर्स की संख्या 29.85 फीसदी से 30.4 फीसदी पहुंची है। वहीं वोडाफोन आइडिया का आंकड़ा 22.84 फीसदी से 23.15 फीसदी तक पहुंचा गया। जियो का मार्केट शेयर 37.40 फीसदी से 36.43 फीसदी हो गया है। एयरटेल ग्राहकों की जेब पर सबसे ज्यादा भार उस वक्त आएगा, जब वे 365 दिन की वैलिडिटी वाला 2999 रुपए का रिचार्ज कराते हैं। इस प्लान पर अब 501 रुपए ज्यादा लग रहे हैं। इस प्लान की पुरानी कीमत 2498 रुपए थी। कंपनी का दूसरा महंगा प्रीपेड प्लान 1799 रुपए का हो गया है, ये प्लान भी 365 दिन की वैलिडिटी के साथ आता है। इस प्लान की पुरानी कीमत 1498 रुपए थी, यानी अब ग्राहक को 301 रुपए ज्यादा खर्च करने होंगे।

जिंस डेरिवेटिव बाजार के बारे में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत : सेबी

नईदिल्ली। देश के विभिन्न एक्सचेंज और नियामक मिलकर विश्व निवेशक सप्ताह मनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं जिसका मकसद आम लोगों के बीच निवेश की जानकारी पहुंचाना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का मानना है कि निवेशकों के बीच जिंस डेरिवेटिव बाजार के बारे में जागरूकता बढ़ाने की तत्काल जरूरत है, क्योंकि इस खंड में वित्तीय समावेशन का स्तर बहुत कम है। सेबी के कार्यकारी निदेशक (ईडी) जीपी गर्ग ने मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) में विश्व निवेशक सप्ताह-2021 में कहा कि सभी हितधारकों को जिंस डेरिवेटिव के बारे में निवेशकों को शिक्षित करने के प्रयास करने चाहिए। विश्व निवेशक सप्ताह-2021 का आयोजन 22-28 नवंबर के बीच किया जा रहा है।

दुनिया का सबसे स्पीड वाला इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट : इसने 555.9 Kmph स्पीड का बनाया रिकॉर्ड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आपने इलेक्ट्रिक कार या इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स को तो देख लिया होगा, लेकिन क्या आपने इलेक्ट्रिक हवाई जहाज के बारे में सुना है? यदि नहीं, तो आपको लग्जरी कार मैन्युफैक्चरर रोल्स-रॉयस (Rolls-Royce) द्वारा तैयार किया गया इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट देखना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस विमान ने 3 किमी की ऊंचाई में ही 555.9 kmph की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया हैं। वहीं रिकॉर्ड ब्रेकिंग रन के दौरान एयरक्रॉफ्ट ने?? 623 kmph की टॉप स्पीड हासिल की है। यह एयरक्राफ्ट 15 मिनट तक आसमान में रहा। इस ऑल-इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट का नाम स्पिरिट ऑफ इनोवेशन रखा गया है। इसने 2017 में सीमेंस ई-एयरक्राफ्ट की 330 स्ध्व एरोबैटिक विमान की 213.04 किमी/घंटा के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

1 मिनट में ही 3,000 मीटर की ऊंचाई पार की

इसने 60 सेकेंड का समय लेते हुए सबसे तेज समय में 3,000 मीटर की उंचाई को पार कर लिया। इसके साथ ही इसने 202 सेकेंड इस ऊंचाई पर पहुंचने वाले रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है।

यह सिंगल सीटर एयरक्राफ्ट होगा

स्पिरिट ऑफ इनोवेशन सिंगल सीटर एयरक्राफ्ट है। कंपनी का कहना है कि इसमें किसी भी विमान की तुलना में अब तक की सबसे ज्यादा पावरफुल बैटरी पैक दिया गया है। विमान 6000 सेल बैटरी पैक पर काम करता है और इसमें लगी इलेक्ट्रिक मोटर लगभग 500 द्धश्च की पावर जनरेट करती है। रोल्स-रॉयस ने बताया है कि यह एयरक्राफ्ट 300 मील प्रति घंटा (लगभग 483 किलोमीटर प्रति घंटा) की टॉप स्पीड से उड़ सकता है। रोल्स-रॉयस ने एयर टैक्सी डेवलप करने के लिए टेकनाम कंपनी के साथ साझेदारी की है। रोल्स-रॉयस और एयरफ्रेमर टेकनम वर्तमान में स्कैंडिनेविया की सबसे बड़ी लोकल एयरलाइन हैं, जो Widerøe के साथ काम कर रहे हैं, ताकि मार्केट में ऑल-इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट को डिस्ट्रीब्यूट किया जा सके, इसे 2026 में रेवेन्यू सर्विस के लिए तैयार करने का प्लान है।

पेटीएम की नाकामी का अन्य आईपीओ पर असर मुमकिन : अशनीर ग्रोवर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

भारत पे के संस्थापक और सीईओ अशनीर ग्रोवर ने सोमवार को एक टीवी चैनल से कहा, शेयर बाजार में पेटीएम का कष्टकारी आगाज अन्य आईपीओ पर असर डाल सकता है, जिसमें भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आईपीओ शामिल है। उन्होंने कहा कि सूचीबद्धता में पेटीएम की विफलता प्रबंधन व इन्वेस्टमेंट बैंकर की सामूहिक नाकामी है। उन्होंने कहा, ऐसी कंपनी जो पिछले तीन साल से बढ़त के लिहाज से स्थिर है और बाजार में यह कहते हुए उतरती है कि वह 20 अरब डॉलर का आईपीओ लाना चाहती है, खुद को देश का सबसे बड़े स्टार्टअप के तौर पर स्थापित करती है और अहम बात सबसे बड़ा आईपीओ ले भी आती है। जब आप ऐसा कर रहे हैं तो मूल चीज यह है कि आपको पता होना चाहिए कि कीमत के इस स्तर पर क्या इसकी मांग है। इस मामले में कंपनी ने यह नहीं देखा कि बाजार कहां है और उससे आगे निकल गई और अपने मनमुताबिक कीमतें तय कर दी। पेटीएम के 18,300 करोड़ रुपये के आईपीओ को महज 1.89 फीसदी आवेदन मिले और म्युचुअल फंडों व धनाढ्य निवेशकों ने इस आईपीओ से मोटे तौर पर दूरी बना ली। यह इश्यू विदेशी फंडों मसलन ब्लैकरॉक व कनाडा की सीपीपी की मदद से ही पार लग पाया। ग्रोवर ने कहा, प्रबंधन को इमानदार बनाए रखने के मामले में यह प्रबंधन और बैंकरों की सामूहिक नाकामी है। कंपनी ने खुद का मूल्यांकन आईपीओ में 1.39 लाख करोड़ रुपये (18.6 अरब डॉलर) किया। आखिरी बंद भाव पर पेटीएम का मूल्यांकन 12 अरब डॉलर से भी कम है। उन्होंने सीएनबीसी टीवी-18 से कहा, यूपीआई के आने के बाद से पेटीएम बाजार हिस्सेदारी गंवा रही है। फोनपे, गूगल पे और यहां तक कि भारत पे ने भी पेटीएम से बाजार हिस्सेदारी खींच ली है। अगर सबसे बड़ी यूपीआई फोनपे का मूल्यांकन 9 अरब डॉलर है तो आप अपना मूल्यांकन 20 अरब डॉलर कैसे कर सकते हैं। इसका आधार क्या है? सिर्फ इसलिए कि फंडिंग के आखिरी दौर में उसने अपना मूल्यांकन 16 अरब डॉलर पाया। ग्रोवर ने कहा, पेटीएम की सूचीबद्धता निवेशकों की अवधारण पर चोट पहुंचा सकती है। शेयर बाजार में आगाज की योजना बनाने वाली कंपनियों के लिए यह निश्चित तौर पर कम कीमत का मामला बनाता है। आईपीओ लाने की योजना बना र ही कंपनियों के लिए इंडिया डिस्काउंट, इंडिया स्टार्टअप डिस्काउंट और पेटीएम डिस्काउंट होने जा रहा है।

डीजल कार को इलेक्ट्रिक बनाने की प्रोसेस

नई दिल्ली। वैसे तो खबर दिल्ली वालों के लिए है, लेकिन काम आपके भी आएगी। आप दिल्ली में रहते हैं और आपके पास 10 साल पुरानी डीजल कार है। तब आपको टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। दरअसल, दिल्ली सरकार ने 10 साल पुरानी डीजल गाड़ी को इलेक्ट्रिक में कन्वर्ट कराने का रास्ता साफ कर दिया है। यानी आपको गाड़ी बेचने या स्क्रैप में देने की जरूरत नहीं है। डीजल कार को इलेक्ट्रिक में कन्वर्ट कराने पर जो खर्च आएगा दिल्ली सरकार उस पर सब्सिडी भी देगी। दिल्ली में करीब 38 लाख पुरानी गाड़ियां हैं। इनमें 35 लाख पेट्रोल और 3 लाख डीजल गाड़ियां हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और सुप्रीम कोर्ट के आदेश बाद ये गाड़ियां दिल्ली की सड़कों पर नहीं चलाई जा सकतीं। NGT ने राजधानी में 10 साल या उससे पुरानी डीजल कारों और 15 साल या उससे पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।